दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'कर्म ऐसे कीजिए कि आपकी पहचान आपके पद से नहीं, बल्कि आपके व्यक्तित्व और व्यवहार से बने।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मन पर विजयः सफलता और शांति की वास्तविक कुंजी

मनुष्य ने विज्ञान, तकनीक और भौतिक विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उसने आकाश की ऊंचाइयों को छुआ है, समुद्र की गहराइयों को नापा है और अंतरिक्ष तक अपनी पहुंच बना ली है। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद एक क्षेत्र ऐसा है, जहाँ विजय प्राप्त करना आज भी सबसे कठिन माना जाता है–वह है स्वयं का मन। वास्तव में, जो व्यक्ति अपने मन को जीत लेता है, उसके लिए जीवन की आधी लड़ाई स्वतः ही जीत ली जाती है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। मानव मन असीम ऊर्जा, कल्पना और संभावनाओं का स्रोत है। यही मन व्यक्ति को महान उपलब्धियों तक पहुंचाता है और यही मन उसे भटकाव, तनाव और असफलता की ओर भी ले जा सकता है। इसलिए प्राचीन ऋषियों से लेकर आधुनिक मनोवैज्ञानिकों तक सभी ने मन के अनुशासन और एकाग्रता को जीवन की सफलता का आधार माना है। आज का युग सूचना और तकनीक का युग है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, इंटरनेट और मनोरंजन के असंख्य साधनों ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन साथ ही मन को पहले से अधिक चंचल और विचलित भी कर दिया है। व्यक्ति का ध्यान कुछ ही मिनटों में अनेक दिशाओं में भटक जाता है। परिणामस्वरूप एकाग्रता कमजोर होती जा रही है और मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है।

यह एक गंभीर विडंबना है कि आज लोगों के पास साधन अधिक हैं, लेकिन संतोष कम है; जानकारी अधिक है, लेकिन ज्ञान कम है; मित्रों की सूची लंबी है, लेकिन मन की शांति दुर्लभ होती जा रही है। इसका प्रमुख कारण मन का असंतुलित और अनुशासनहीन होना है। जब मन अनुशासित नहीं होता, तो व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में उलझ जाता है। वह दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करता है, अपनी असफलताओं से निराश होता है और भविष्य की चिंताओं में वर्तमान को खो देता है। ऐसे व्यक्ति के जीवन में न तो स्थिरता रहती है और न ही संतुष्टि। इसके विपरीत, अनुशासित मन व्यक्ति को लक्ष्य के प्रति समर्पित बनाता है। वह परिस्थितियों का दास नहीं बनता, बल्कि उनका सामना करना सीखता है। कठिनाइयां उसे डराती नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं। इतिहास के महान व्यक्तित्वों को देखें तो पाएंगे कि उनकी सबसे बड़ी शक्ति उनका अनुशासित मन था। ने कहा था कि मन ही सब कुछ है। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं। इसी प्रकार ने मन की एकाग्रता को सफलता का मूल मंत्र बताया था। उनका मानना था कि जिस प्रकार सूर्य की बिखरी हुई किरणें साधारण होती हैं, लेकिन जब वे एक बिंदु पर केंद्रित होती हैं तो अग्नि उत्पन्न कर देती हैं, उसी प्रकार मन की एकाग्रता असाधारण शक्ति का निर्माण करती है। एकाग्रता केवल पढ़ाई, व्यवसाय या नौकरी में सफलता के लिए ही आवश्यक नहीं है, बल्कि मानसिक शांति के लिए भी उतनी ही जरूरी है। जब मन एक समय में एक ही कार्य पर केंद्रित होता है, तब अनावश्यक विचारों का शोर स्वतः कम हो जाता है। व्यक्ति वर्तमान क्षण में जीना सीखता है। यही स्थिति मानसिक संतुलन और आंतरिक आनंद का आधार बनती है। आज तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके पीछे बाहरी परिस्थितियों से अधिक मन की अस्थिरता जिम्मेदार है। जब व्यक्ति अपने विचारों को नियंत्रित नहीं कर पाता, तब वही विचार उसके लिए बोझ बन जाते हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य की शुरुआत मन के अनुशासन से होती है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले इस सत्य को समझ लिया था। योग, ध्यान, प्राणायाम और साधना जैसी परंपराएं मन को नियंत्रित करने की वैज्ञानिक विधियां हैं। नियमित ध्यान और योगाभ्यास से मन की चंचलता कम होती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति को पहचानने लगता है। पतंग चाहे कितनी भी ऊंची उड़ जाए, उसकी सुरक्षा उसकी डोर में ही होती है। जैसे ही डोर टूटती है, पतंग दिशाहीन होकर गिर जाती है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी तभी तक संतुलित और सफल रहता है, जब तक उसकी डोर मन के अनुशासन और विवेक के हाथों में रहती है। यह भी समझना आवश्यक है कि मन को अनुशासित करना एक दिन का कार्य नहीं है। इसके लिए निरंतर अभ्यास, आत्मनियंत्रण और धैर्य की आवश्यकता होती है। छोटी-छोटी आदतें जैसे समय पर उठना, नियमित अध्ययन करना, सकारात्मक सोच रखना, अनावश्यक विवादों से दूर रहना और प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन के लिए निकालना मन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बाहरी उपलब्धियों के साथ-साथ अपने भीतर की दुनिया को भी व्यवस्थित करें। यदि मन अस्थिर है, तो बड़ी से बड़ी सफलता भी आनंद नहीं दे सकती। लेकिन यदि मन शांत और अनुशासित है, तो साधारण जीवन भी सुख और संतोष से भर सकता है।

अंततः यह कहना उचित होगा कि जीवन की सबसे बड़ी विजय किसी और पर नहीं, बल्कि स्वयं के मन पर विजय है। बिना अनुशासन के सफलता केवल एक भ्रम है और बिना एकाग्रता के शांति केवल एक कल्पना। इसलिए यदि हम वास्तव में सफल, संतुलित और आनंदमय जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें अपने मन को साधना सीखना होगा। यही आत्मविकास का पहला कदम है और यही जीवन की वास्तविक सफलता का आधार भी।

राजस्थान में लागू होगा यूसीसी, सरकार ने कमेटी बनाई

संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार मिलेंगे; एक से ज्यादा शादी नहीं कर सकेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान सरकार ने प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता/ष्टष्ट) लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। राजस्थान विधानसभा से विधेयक पास होने के बाद कानून का रूप लेगा। इसके बाद प्रदेश में किसी भी धर्म का व्यक्ति एक से ज्यादा शादी नहीं कर पाएगा। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों को अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन कराना होगा।पैतृक संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार मिलेंगे। शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना भी अनिवार्य होगा। हालांकि नए कानून के दायरे में स्थानीय जनजातियों को उनकी संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के तहत बाहर रखा जा सकता है।

राजस्थान सरकार में कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को सचिवालय के मंत्रालयिक भवन में यह जानकारी दी। उनके साथ गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी मौजूद थे।

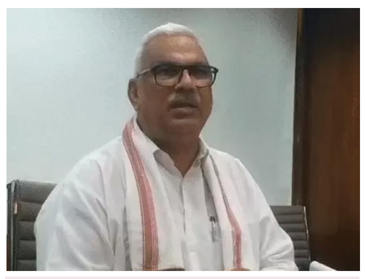

अब तक उत्तराखंड सहित तीन राज्यों में लागू

देश में उत्तराखंड पहला ऐसा राज्य है, जिसने सबसे पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया है। वहीं गुजरात ने मार्च 2026 और असम ने मई 2026 में समान नागरिक संहिता विधेयक को पारित किया है। वहीं देश में गोवा अकेला ऐसा राज्य है, जहां आजादी के समय से ही यूसीसी लागू है।

कमेटी के रिपोर्ट देते ही विधानसभा में करेंगे पेश

कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- कैबिनेट ने अप्रैल 2026 में फैसला लिया था कि राजस्थान में समान नागरिक संहिता-2026 के लिए विशेषज्ञों की कमेटी का गठन किया जाएगा। सरकार का मानना है कि यह केवल कानूनी सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, समान अधिकार और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। **उन्होंने कहा-** हमने कमेटी में न्यायिक, विधिक और प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया है। यह कमेटी अन्य राज्यों के कानून और अनुभवों का अध्ययन करके राजस्थान की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप मॉडल तैयार करेगी। सरकार की कोशिश रहेगी कि कमेटी जल्द अपनी रिपोर्ट दे। इसके बाद कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा।

यूसीसी के बाद प्रदेश को नई दशा-दिशा मिलेगी

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा- भारत में अलग-अलग राज्यों ने इसे लागू किया है। राज्य में भी इसे लागू करने की जरूरत महसूस हुई। अभी कई धर्मों में महिला और पुरुषों के बारे में अलग-अलग कानून हैं। इससे महिलाओं के अधिकारों का हनन होता है। उन्होंने कहा- यूसीसी के बाद प्रदेश को नई दशा और दिशा मिलेगी।

सभी धर्मों के पर्सनल लॉ समाप्त होंगे

यूसीसी लागू होने के बाद प्रदेश में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून होगा। चाहे वे किसी भी धर्म, जाति और समुदाय से संबंध रखते हों। अभी प्रदेश में विभिन्न धर्मों के लोग शादी, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार, गोद लेने और रख-रखाव जैसे व्यक्तिगत मामलों में अपने-अपने धार्मिक अथवा पर्सनल लॉ को फॉलो करते हैं। यूसीसी लागू होने के बाद ये सभी कानून समाप्त हो जाएंगे। सरकार ने कहा- इसका मुख्य उद्देश्य अलग-अलग पर्सनल लॉ में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त कर उन्हें पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाना है।

कुम्हार समाज के खिलाफ जाति सूचक टिप्पणी करने के विरोध में समाज उतरा सड़कों पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सरकारी अधिकारी के बहाने संपूर्ण कुम्हार समाज के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी कर समाज की भावना को आघात पहुंचा कर निचा दिखाने के लिए किये गए घटिया कृत्य के खिलाफ समाज के युवाओं ने सड़कों पर उतर कर अपना आक्रोश व्यक्त किया तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की तथा न्याय नहीं मिलने पर समाज द्वारा और अधिक उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है । एडवोकेट नरेंद्र चेजारा व पूर्व नेता प्रतिपक्ष संपत कुमावत के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने हरिराम प्रजापत, योग गुरु जयपाल होदकासिया, कमल कुमावत, महेश कुमावत, अखिलेश कुमावत, प्रमोद दादरवाल, रतनलाल कुमावत, महेंद्र बगड़ी, मुकेश दादरवाल, रामचंद्र कुमावत, अजय ठेकेदार, पुरषोत्तम ठेकेदार, पवन कुमावत, रवींद्र

बागोरिया, चौथमल बागोरिया, मनोज कुमावत, राजेंद्र होदकासिया, सुरेन्द्र नीरानिया, शशिप्रकाश नीरानिया, महेश नीरानिया, गोवर्धन नीरानिया, विजय बागोरिया, क्रिश कुमावत, संतोष कुमावत, पंकज घोड़ेला, बजरंग लाल कुमावत, संजय दादरवाल, रामप्रसाद कुमावत, भंवरलाल होदकासिया, शिव भगवान बगरानीया, श्रीराम होदकासिया, मुकेश कारगवाल, बिट्टू कारगवाल, हुकुमचंद, फूलचंद होदकासिया, मुकेश चेजारा सहित सेंकड़ों समाज बंधु मौजूद रहे ।

बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

कस्बे के वार्ड संख्या 9 स्थित मालियों की ढाणी में बार-बार हो रही बिजली व्यवस्था की समस्याओं के समाधान के लिए ढाणी के नागरिकों ने डिस्कॉम के एईएन अजितपाल को ज्ञापन सौंपकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि गत 25 मई की रात बिजली लाइन का तार टूट जाने से ढाणी के उपभोक्ताओं को पूरी रात अंधेरे और भीषण गर्मी में बितानी पड़ी। इस समस्या के विरोध में उपभोक्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए जाने पर मौके पर पहुंचे कनिष्ठ अभियंता ने 15 दिनों के भीतर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया। इससे नाराज होकर सोमवार को ढाणी के नागरिकों का एक शिष्टमंडल डिस्कॉम कार्यालय पहुंचा और एईएन से मुलाकात कर शीघ्र ट्रांसफार्मर लगाने की

मांग की। इस पर एईएन अजितपाल ने बताया कि ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए विवाद-मुक्त स्थान उपलब्ध कराना आवश्यक है। जैसे ही उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, तत्काल नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया जाएगा। नागरिकों ने क्षेत्र में लगातार आ रही बिजली संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग करते हुए विभाग से शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है।

मांगों के समाधान तक वीबीजी रामजी का पूर्ण बहिष्कार जारी रहेगा, पंचायती राज मंत्रालय कर्मचारी संगठन ने सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान पंचायती राज मंत्रालय कर्मचारी संगठन उपशाखा मंडावा के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों के समर्थन में पंचायत समिति मंडावा के विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राजस्थान सरकार के पंचायती राज मंत्री तथा स्वायत्त शासन सचिव एवं आयुक्त, पंचायती राज विभाग के नाम प्रेषित किया गया। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम ने बताया कि राजस्थान पंचायती राज मंत्रालय के कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों का अब तक समाधान नहीं किया गया है। कर्मचारियों में इसको लेकर गहरा असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि जब

तक कर्मचारियों की मांगों का सकारात्मक निराकरण नहीं होता, तब तक संगठन द्वारा वीबीजी रामजी का पूर्ण बहिष्कार जारी रखा जाएगा। ज्ञापन में कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए न्यायोचित समाधान करने की मांग की गई। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में नरेंद्र कुमार मीणा, धीरेंद्र सिंह, राकेश सोनी, जोगेंद्र सिंह, रविकांत मीणा, राजीव चौधरी, अफरीद खान, संदीप मीणा, सुशील सैनी एवं सरनाम सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें। कर्मचारियों ने सरकार से उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान करने की मांग की, ताकि कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष समाप्त हो सकें।

नागरिक परिषद की महिलाओं ने किया योगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद महिला प्रकोष्ठ की ओर से रविवार शाम यहां शकुन्तला वाटिका में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगासन किये गये। महिला प्रकोष्ठ सचिव सोनू सोमानी ने बताया कि योग गुरु अंकित कुमावत के निर्देशन में करीब एक घंटे तक महिलाओं ने विभिन्न योग मुद्राओं के साथ योगासन किया तथा अपने-अपने घर पर नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प भी लिया। उन्होंने बताया कि महिला प्रकोष्ठ द्वारा विगत आठ वर्ष से हर साल 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगासन किये जाते हैं। इस सामूहिक योगासन कार्यक्रम में सोनू सोमानी, कुसुम पुजारी, वर्षा भूत, विनीता चिरानिया, सरिता शर्मा, सीमा दायमा, सुधा पारीक, संगीता शर्मा, रेनू जैन, संगीता सैनी, शोभा सोनी व अमृता शर्मा सहित इनके परिवारों से जुड़ी बालिकाओं ने भी हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कैप्टन मोहनलाल के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

गुलाम भारत में ओबीसी की जाति आधारित गणना हुई मगर आजाद भारत में ओबीसी की जनगणना ही नहीं की गई

भारत सरकार के खिलाफ ओबीसी समाज में भारी आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भारत सरकार द्वारा देश में करवाई जा रही जनगणना, मकान सूचीकरण में ओबीसी के आंकड़े अलग से दर्ज न करने, जनगणना प्रपत्र में ओबीसी का कॉलम नहीं होने के विरोध में सोमवार को चरणबद्ध आंदोलन के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान्यवर चौधरी विकास पटेल के नेतृत्व में भारत के 31 राज्यों के 625 जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के बैनर तले राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के झुन्झुनूं वरिष्ठ जिला संयोजक कैप्टेन मोहनलाल की अगवाई में राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कैप्टन ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया का प्रथम चरण पूरा हो

चुका है, जिसमें हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया में पारिवारिक जानकारी में कैटिगरी के संदर्भ में ही केवल जानकारी है। परिवार किस वर्ग, कैटेगरी में है ऐसी जानकारी देना है, लेकिन इसमें केवल तीन ऑप्शन अंकित है एससी, एसटी व अन्य। मगर प्रपत्र में ओबीसी का कोई ऑप्शन ही नहीं दिया गया है। इससे यह जाहिर तौर पर स्पष्ट होता है कि ओबीसी की जाति आधारित जन गणना इस 2027 की (सेंसस) राष्ट्रीय जनगणना में, गणना ही नहीं की जा रही है। यह ओबीसी के साथ पूर्व निर्धारित जानबूझकर किए जाने वाला बहुत बड़ा धोखा है। फोरी तोर पर देखें तो समझ में आता है यह सब आरएसएस के द्वारा प्लानिंग बनाकर देश के सबसे बड़े तबके (ओबीसी) के साथ भाजपा की आज तक की यह सबसे बड़ी धोखेबाजी की जा रही है। इसलिए हम सब एससी, एसटी,ओबीसी के लोग यह मांग करते हैं कि इसमें ओबीसी के आंकड़े भी अलग से सूचीबद्ध करने के लिए ओबीसी का ऑप्शन दिया जाए।

ताकि ओबीसी के साथ भी न्याय हो सके। पहले चरण के लिए इसमें हाउसिंग लिस्टिंग किया जा रहा है इसके लिए एचएलओ नाम का ऐप तैयार किया गया है। इसी ऐप के द्वारा यह जनगणना का कार्य डिजिटल रूप में मोबाइल के माध्यम से किया जाएगा। इस ऐप में जो जानकारी इकज़ाही की जाएगी उसका कोई भौतिक रूप से रिकॉर्ड नहीं होगा और ना हीं यह जानकारी मांगी जाने पर, उपलब्ध कराई जाएगी। इस जानकारी को रिकॉर्ड करने में किसी को कानूनी रूप से जिम्मेदार निर्धारित भी नहीं किया गया है और ना हीं ऐसा किसी से डिक्लेरेशन किया जाएगा। अगर रिकॉर्ड में संकलित की गई जानकारी गलत है तो कोई जिम्मेदार ही नहीं होगा। यह पूर्णतया डिजिटल होने के कारण इसके जो परिणाम घोषित होंगे या आंकड़े आएंगे वह बिल्कुल सही है, ऐसा भी नहीं माना और कहा जा सकता है। पूर्णतया डिजिटल होने से इसके आंकड़ों की विश्वसनीयता पर संदेह हो सकता है इसलिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा यह मांग करता है कि जनगणना के आंकड़ों की भौतिक सत्यापन की पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए। वरिष्ठ जिला संयोजक ने बताया कि राष्ट्रीय चरणबद्ध आंदोलन के तहत तीसरे चरण में 31 राज्यों के 625 जिलों में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के माध्यम से यह ज्ञापन पूरे भारत में सभी जिला मुख्यालयों पर दिया जा रहा है,के तहत जिला कलक्टर झुन्झुनूं को भी ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ जिला संरक्षक बीएमएम हरलाल सिंह बड़वासी, डॉ.संपत बारूपाल, राधेश्याम चिरानिया,प्रदेश महासचिव बीएमएम के ओमप्रकाश सेवदा, महेंद्र सिंह सोंथली, राजवीर सिंह, दलीप आलडिया, मोहनलाल सोनी, शेरसिंह महरमपुर, प्रतापसिंह खिचड़, सलीमखान, रोहिताश झेरली, नत्थूराम लुगरिया, इंद्र बागडी, सुनील आलडिया, सुरेश कुलोद, योगेंद्रसिंह कड़वासरा, रामवीर सिंह, ज्योति प्रकाश, सुनील भार्गव, सुरेंद्र कुमार, मनोज, राकेश, सतीश, महेंद्र सिंह सौंथली, गोपीचंद जांगिड़, वेद प्रकाश बोयल, सुभाष चंद्र, बंशीधर कुमावत, जगदीश प्रसाद धनखड़, रवि, छगनसिंह सहित कई लोग शामिल रहें।

एलएंडटी समूह की एआई अवसंरचना क्षेत्र में नई पहल

मुंबई

अभियांत्रिकी और निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूट अवसंरचना के क्षेत्र में अपनी पैठ बना रही है। कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक व्योम.एआई लिमिटेड ने इस नई पहल के तहत एलटीएन कंप्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलटीएनसीपीएल) नामक एक नई कंपनी का गठन किया है। रविवार को शेयर बाजारों को दी गई जानकारी के अनुसार एलटीएनसीपीएल का निगमन 20 जून, 2024 को हुआ है। यह नवगठित कंपनी विशेष रूप से एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने और प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएं देने पर केंद्रित होगी। यह कदम एलएंडटी समूह की तेजी से बढ़ते एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे कंपनी को भविष्योन्मुखी तकनीकी समाधानों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

श्री रेफ्रिजरेशंस ने रक्षा, समुद्री क्षेत्र के लिए महाराष्ट्र में नई विनिर्माण इकाई शुरू की

मुंबई

रक्षा और समुद्री क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन (एचवीएसी-आर) प्रणाली बनाने वाली कंपनी श्री रेफ्रिजरेशंस ने महाराष्ट्र के कराड में अपनी नई विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना के चीफ ऑफ मैटेरियल वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार ने 6 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस अत्याधुनिक सुविधा का अनावरण किया, जो देश के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करेगी। इस इकाई में रोबोटिक वेल्डिंग, लेजर कटिंग और बेंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं स्थापित हैं, साथ ही शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग जैसी प्रक्रियाएं भी एकीकृत हैं। इस विस्तार से कंपनी की विनिर्माण क्षमता में 50,000 वर्ग फुट की वृद्धि हुई है, भविष्य में और विस्तार की संभावना है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आर. जी. शेंडे ने कहा कि यह नई इकाई मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

निफ्टी 24,000 के पार, अब 24,500 पर टिकी नजरें, क्या आएगी नई रिकॉर्ड ऊंचाई?

मुंबई

पिछले हफ्ते निफ्टी ने 1.65 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 24,000 अंक के करीब बंद होकर निवेशकों को उत्साहित किया। हालांकि, हफ्ते के अंत में हुई मुनाफावसूली ने तेजी पर कुछ लगाम लगाई। विश्लेषक मौजूदा बाजार को एक दायरे में देखते हुए महत्वपूर्ण स्तरों पर नजर बनाए हुए हैं, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सप्ताह निफ्टी ने जबरदस्त गैप-अप ओपनिंग के साथ मजबूत शुरुआत की और अपनी बढ़त पूरे हफ्ते बरकरार रखी। सूचकांक पहली बार अपने 100-दिवसीय ईएमए (एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज) के ऊपर बंद हुआ, जो बाजार में बेहतर होते सेंटीमेंट का संकेत था। हालांकि, शुक्रवार को हुई गैप-डाउन ओपनिंग और मुनाफावसूली ने तेजी की रफ्तार को कुछ हद तक धीमा कर दिया। फिलहाल, निफ्टी 50 एक दायरे में बना हुआ है, जहां न तो बुल्स और न ही बेयर्स का साफ तौर पर दबदबा दिख रहा है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। एसबीआई सिक्योरिटीज में टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च के एक अ धिकारी के अनुसार निफ्टी के लिए 24,200 के ऊपर लगातार टिके रहना 24,500 की ओर रैली का रास्ता खोल सकता है। वहीं, अगर यह 23,800 के नीचे जाता है, तो 23,500 का स्तर दिख सकता है।

डिविडेंड बंपर- जून के अंतिम सप्ताह में 31 कंपनियां बांटेंगी लाभांश

नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए जून 2026 का अंतिम सप्ताह वित्तीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान देश की 31 प्रमुख कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का लाभ देने जा रही हैं, जो उनके मुनाफे का एक हिस्सा होता है। यह लाभांश निवेशकों के लिए अतिरिक्त आय का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी नज़र नियमित आय वाले शेयरों पर रहती है। सप्ताह की शुरुआत 22 जून से होगी, जब पैनासोनिक कार्बन इंडिया (12 रुपए), संगम इंडिया (2 रुपए) और डीएमआर इंजीनियरिंग (0.14 रुपए) डिविडेंड प्रदान करेंगी। इसके बाद 23 जून को एशियन पेंट्स (23 रुपए) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (22 रुपए) समेत कई दिग्गज एक्स-डिविडेंड होंगी, जिनमें थायरोकेयर, टाटा पावर भी शामिल हैं। 24 जून को व्हील्स इंडिया और शंकरा बिल्डप्रो का नंबर है। 25 जून सबसे व्यस्त दिन रहेगा, जब 17 कंपनियां लाभांश के लिए एक्स-डेट पर होंगी। इनमें सुप्रीम इंडस्ट्रीज (25 रुपए) और भारतीय जीवन बीमा निगम (10 रुपए) प्रमुख हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तिथि से पहले शेयर खरीदना अनिवार्य है। भारतीय शेयर बाजार में लागू टी प्लस वन सेटलमेंट व्यवस्था के चलते ये तिथियां अक्सर करीब होती हैं, अतः समय पर निवेश ही डिविडेंड से लाभ कमाने की कुंजी है।

केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्थयी प्र तिबंध

नई दिल्ली

देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी। सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा की समीक्षा की। दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में त्वचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई कॉम्बिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रैक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अमॉक्सिसिलिन और सेराटियोपेप्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक कॉम्बिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था। पेट दर्द और ऐंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अतार्किक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के जिम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रमाण है।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

मुंबई

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए।

हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया।

सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया।

सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया।

मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया।

बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से जून में 31,105 करोड़ निकाले

इक्विटी से 60,471 करोड़ निकाले, बॉन्ड बाजार में 30,913 करोड़ का निवेश

मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून महीने में भी भारतीय पूंजी बाजार से निकासी जारी रखे हुए हैं। जून के पहले तीन हफ्तों में एफपीआई ने कुल 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह लगातार चौथा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसे निकाल रहे हैं, हालांकि इस बार उनकी रणनीति में बदलाव देखा गया है, जहां इक्विटी से बिकवाली हुई है वहीं बॉन्ड बाजार में निवेश बढ़ा है। एफपीआई की इस निकासी का सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। जून में अब तक उन्होंने शेयरों से 60,471 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। इक्विटी के अलावा, विदेशी निवेशकों ने म्यूचुअल फंड से 128 करोड़ रुपये और हाइब्रिड निवेश साधनों से 1,419 करोड़ रुपये भी निकाले हैं। इसके विपरीत डेट यानी बॉन्ड बाजार में एफपीआई का रुझान सकारात्मक रहा है।

फोनपे का फैसला, निष्क्रिय वॉलेट रखने पर अब चुकाना होगा चार्ज

365 दिन तक वॉलेट का इस्तेमाल न करने पर हर तिमाही कटेंगे 100 रुपए

नई दिल्ली

डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म फोनपे ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अगर कोई यूजर अपने फोनपे वॉलेट का लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करता है, तो उसे इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज देना होगा। यह शुल्क 100 रुपये (जीएसटी सहित) प्रति तिमाही उन वॉलेट्स से कटेगा जो लगातार 365 दिनों तक निष्क्रिय रहेंगे। फोनपे की नई नीति के तहत, यदि कोई यूजर लगातार 365 दिनों तक अपने वॉलेट के जरिए कोई भी वित्तीय लेनदेन नहीं करता है, तो उसके वॉलेट को निष्क्रिय मान लिया जाएगा। इसके बाद हर तिमाही 100 रुपये का इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज वसूला जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि केवलफोनपे ऐप खोलना, यूपीआई लेनदेन करना, या ऐप के भीतर अन्य भुगतान (जैसे रिचार्ज, बिल भुगतान) करना वॉलेट एक्टिविटी नहीं माने जाएंगे। वॉलेट को सक्रिय बनाए रखने के लिए यूजर्स को सीधे अपने फोनपे वॉलेट के माध्यम से ही लेनदेन करना होगा। शुल्क लगाने से पहले यूजर्स को 15 दिन का नोटिस भेजा जाएगा। इस नोटिस अवधि के दौरान वॉलेट से कोई लेनदेन करके इस फीस से बचा जा सकता है, जिसके बाद वॉलेट सक्रिय हो जाएगा। निष्क्रियता शुल्क काटने के लिए, पर्याप्त फंड होने पर 100 रुपये काटे जाएंगे; कम होने पर उपलब्ध राशि काटकर शेष शून्य कर दिया जाएगा, जिससे कोई नकारात्मक बैलेंस नहीं बनेगा। यह बदलाव बड़ी संख्या में फोनपे वॉलेट यूजर्स को प्रभावित करेगा।

भू-राजनीति, मानसून और आर्थिक आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबइ

घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह की गिरावट से उबरने की कोशिश में इस हफ्ते कई महत्वपूर्ण वैश्विक और घरेलू कारकों पर पैनी नजर रखेंगे। निवेशकों के लिए जहां भू-राजनीतिक स्थिरता अहम होगी, वहीं देश के भीतर मानसून की प्रगति और प्रमुख आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते के क्रियान्वयन में होने वाली प्रगति पर बाजार की गहरी निगाहें टिकी रहेंगी। यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए सुचारु रूप से खुलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति और भू-राजनीतिक स्थिरता पर इसका सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा, जो शेयर बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक हो सकता है। वैश्विक परिदृश्य के साथ ही घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।कृषि-आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर मानसून ग्रामीण मांग और कॉर्पोरेट आय को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, देश के आठ महत्वपूर्ण कोर उद्योगों के आंकड़े भी जारी होंगे, जो अर्थव्यवस्था की सेहत का संकेत देंगे और बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। इन सभी कारकों का समग्र प्रभाव आगामी सप्ताह में बाजार की दिशा तय करेगा।

बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि बाजार की नजर मई महीने के थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) और रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)के मिनट्स पर टिकी हुई है, ताकि भविष्य की ब्याज दरों का अनुमान लगाया जा सके। विदेशी निवेशकों के रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से बाजार में तरलता तय हो रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार की धारणा पर पड़ सकता है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित रुझान, सरसों नरम, सोयाबीन-पाम मजबूत

आयातित तेलों का दबाव; मांग-आवक के संतुलन व किसानों के रुख से तय हुए भाव

नई दिल्ली

बीते सप्ताह घरेलू खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। राष्ट्रीय राजधानी में जहां सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन, पाम और बिनौला तेलों के दाम मजबूत हुए। बाजार में आयातित खाद्य तेलों की उपलब्धता और लिवाली के रुझान ने कीमतों को प्रभावित किया।ऊंची कीमतों पर कम पूछताछ और आयातित खाद्य तेलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते राष्ट्रीय राजधानी में सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसानों और स्टॉकिस्टों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद लिवाली सुस्त बनी रही। दूसरी ओर, सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। पिछले 20-22 दिनों में आई कीमतों की कमी के बाद किसानों ने निचले स्तर पर बिकवालीघटा दी। परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र के लातूर जैसे बाजारों में प्लांट मालिकों ने सोयाबीन की खरीद दर 80 रुपये बढ़ाकर करीब 7,440 रुपये प्रति क्विंटल कर दी, जिससे कम आवक और बढ़ती मांग ने कीमतों को सहारा दिया।

औद्योगिक मांग बढ़ने से पाम-पामोलीन तेल की कीमतों में भी तेजी दिखी।

बाजार में बिनौले की उपलब्धता नगण्य रहने से बिनौला तेल भी मजबूत हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर रहे, क्योंकि यह आयातित सूरजमुखी तेल से 10-12 रुपये प्रति किलो सस्ता होने के कारण लगातार मांग में बना रहा। हालांकि, इनकी औद्योगिक मांग का एक हिस्सा अपेक्षाकृत सस्ते पाम-पामोलीन तेल से भी पूरा किया गया।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,625-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,480-2,780 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 15,425 रुपये प्रति क्विंटल ।

ग्रेट निकोबार परियोजना देश की आर्थिक रीढ़ बनेगी, विरोधियों पर बरसे रीजीजू

केंद्रीय मंत्री ने परियोजना को आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता का केंद्र बताया

श्री विजय पुरम (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में ग्रेट निकोबार परियोजना को भारत की आर्थिक वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने परियोजना के विरोधियों पर तीखा हमला बोला, आरोप लगाया कि वे देश की प्रगति नहीं देखना चाहते। रीजीजू ने कहा कि यह परियोजना देश की आर्थिक वृद्धि का केंद्रबिंदु बनेगी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख समुद्री एवं लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में उभरेगी। उन्होंने जोर दिया कि परियोजना आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधते हुए सभी नियमों व मानकों का पालन कर रही है। मंत्री ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति नहीं देखना चाहते। उन्होंने पिछली यात्राओं के दौरान परियोजना के खिलाफ नाटक और अभियान चलाने की आलोचना की। रीजीजू ने झूठे विमर्शों के बजाय मिलकर देश के विकास पर जोर दिया। केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रीजीजू ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद भारत ने ईंधन कीमतों में वृद्धि को लगभग पांच प्रतिशत तक सीमित रखा, जबकि कई देशों में यह 20 से 100 प्रतिशत तक बढ़ी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताया।

एआई-डीपफेक से बैंकिंग क्षेत्र में करोड़ों की सेंध, सुरक्षा प्रणालियों को चुनौती

साइबर अपराधी ओपन-सोर्स एआई मॉडलों से तैयार कर रहे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान

नई दिल्ली

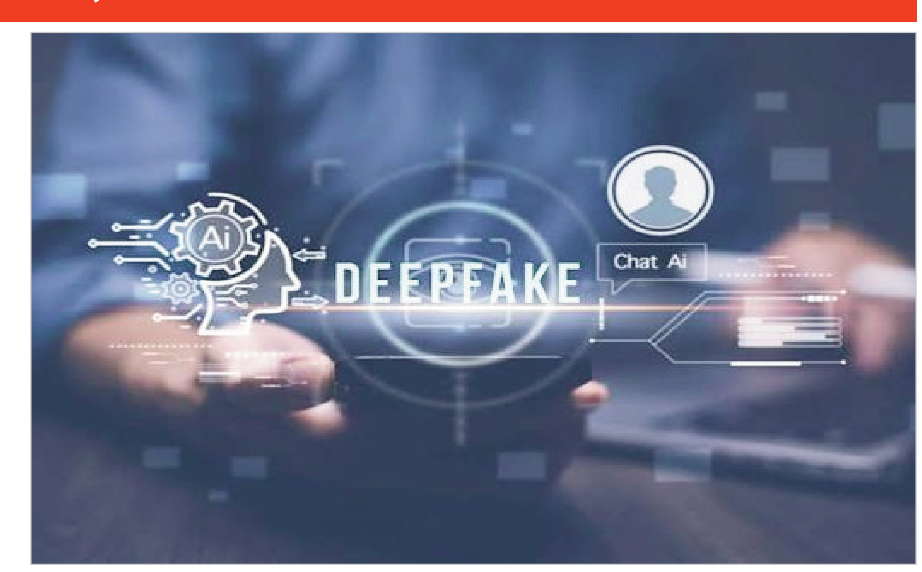

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। साइबर अपराधी इस उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसी वास्तविक दिखने वाली नकली पहचानें तैयार कर रहे हैं, जो वीडियो केवाईसी और लाइवलीनेस परीक्षण जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी आसानी से भेद रही हैं, जिससे करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई चुनौती वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह खतरा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा है। कई वास्तविक मामलों में डीपफेक का उपयोग कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ नकली बैंक स्टेटमेंट और डीपफेक वीडियो के जरिए 15 से 20 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी की खबर है।

तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि डीपफेक तैयार करने के उपकरण टेलीग्राम और डार्क वेब पर आसानी से उपलब्ध हैं, और इन्हें सामान्य गेमिंग कंप्यूटर पर भी कम लागत में चलाया जा सकता है, जिससे जालसाजों को संगठित होने में मदद मिल रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ये डीपफेक लाइवलीनेस जांच को भी सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं, जो कैमरे के सामने मौजूद व्यक्ति की वास्तविकता सुनिश्चित करती है। यदि यह महत्वपूर्ण सुरक्षा परत विफल होती है, तो डिजिटल केवाईसी की विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित होगी। इस खतरे को देखते हुए, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है कि अपराधी सुरक्षा उपायों को भेदने के लिए एआई-आधारित तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में बैंकिंग क्षेत्र में 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46त्न अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी अपनी डिजिटल पहचान और उपकरणों की सुरक्षा के प्रति अत्यधिक सतर्क रहना होगा। यह खतरा अब केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं हैबल्कि ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और ऑनलाइन डेटिंग प्लेटफॉर्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है।

भारत का राजकोषीय दुविधा में, क्यों कम पड़ रही है तैयारी?

वित्त मंत्री के 3 एफ अपर्याप्त, भारत को चौथे एफ राजकोषीय गुंजाइश की सख्त दरकार

नई दिल्ली

। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा संकट से निपटने के लिए विदेशी मुद्रा, ईंधन और उर्वरक पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है, जिसे उन्होंने 3 एफ का नाम दिया।

हालांकि, आर्थिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को एक चौथे, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण एफ - राजकोषीय गुंजाइश (फिसकल स्पेश) की सख्त दरकार है। उनका तर्क है कि यदि भारत ने अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों में पर्याप्त राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो आज उसके पास अनपेक्षित संकट का सामना करने के लिए कहीं अधिक विकल्प उपलब्ध होते। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड संकट (2022-23) के बाद के तीन अच्छे वर्षों में यदि भारत ने अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो मौजूदा अप्रत्याशित संकट का सामना करने में उसके पास बेहतर विकल्प होते। एक विश्लेषक ने जनवरी 2025 में ही चेतावनी दी थी कि अनुकूल समय में राजकोषीय गुंजाइश न बनाने पर अगला संकट बेतहाशा कठिन होगा।

इस चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, और आज भारत सीमित विकल्पों के साथ एक ऐसे संकट का सामना कर रहा है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। केंद्र सरकार की राजकोषीय घाटे में कमी की राह बहुत धीमी रही है। f

इसी अवधि में, वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में राज्यों का राजकोषीय घाटा भी बढ़ा, जिससे सार्वजनिक ऋण जीडीपी के 80 प्रतिशत से ऊपर ही बना रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, इस धीमी राजकोषीय सुधार ने निजी निवेश के लिए वित्तीय नियंत्रण को बढ़ाया है और वाणिज्यिक ब्याज दरों को उच्च बनाए रखा है।

राजकोषीय घाटे को तेजी से कम करने का एक प्रभावी तरीका निजीकरण था, लेकिन एयर इंडिया की बिक्री के बाद

यह प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई। राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान के एक अध्ययन का हवाला देते हुए विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने वाली महारत्न कंपनियों को छोड़कर, इतने अधिक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बनाए रखने का कोई कारण नहीं है।

झुंझुनूं में आधुनिक नेत्र चिकित्सा की नई सौगात, जयपुर आई हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ

निःशुल्क शिविर में 76 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन, दवाइयां व चश्मे भी किए वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अरूण मूंड । शहर के रोड़ नंबर-1 स्थित भारत टावर (बी.डी.के. अस्पताल के सामने) नवस्थापित जयपुर आई हॉस्पिटल का रविवार को जिला कलक्टर अरुण गर्ग एवं जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में प्रशासन, चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत, डॉ. संजय कटेवा, कृष्णा पुरोहित, डॉ. उमेश केडिया, डॉ. नीलम केडिया, डॉ. संगीता पुरोहित, डॉ. मूलसिंह शेखावत, हाजी जुम्मा खान, उमाशंकर महमिया, अख्तर अली गहलोत, सीए मनीष अग्रवाल, अनिल जागिड़, रजनी पुरोहित, डॉ. रवि शर्मा, बरकत अली गहलोत, अब्बास अली, रामगोपाल महमिया एवं गुलजारी लाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

जयपुर आई हॉस्पिटल के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निशांत पुरोहित ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए अस्पताल की सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के शुभारंभ अवसर पर आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 76 जरूरतमंद मरीजों के मोतियाबिंद का आधुनिक फेको तकनीक द्वारा सफल ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण किया गया।इस अवसर पर अतिथियों ने ऑपरेशन करवाने वाले मरीजों का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयां और चश्मे वितरित किए। मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा उपकरणों एवं आधुनिक मशीनों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि जयपुर आई हॉस्पिटल के शुरू होने से झुंझुनूं एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को बेहतर और विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे मरीजों को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। पूरे समारोह का माहौल उत्साह, सेवा भावना और जनकल्याण के संकल्प से ओत-प्रोत रहा।

बिसाऊ में सफाई व्यवस्था पर फूटा जनाक्रोश, महिलाओं ने किया नगर पालिका ईओ का घेराव

पालिका की लापरवाही से बढ़ा पड़ोसियों का विवाद, कचरा बना झगड़े की वजह

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

कस्बे में सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति को लेकर सोमवार को वार्ड संख्या 8 और 11 की मुस्लिम महिलाओं एवं पुरुषों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित नागरिक नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत के कक्ष में पहुंचकर सफाई अव्यवस्था के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि पिछले 15 दिनों से उनके वार्ड में घर-घर कचरा संग्रहण के लिए कोई ऑटो टिपर नहीं पहुंच रहा है। इसके कारण लोगों को मजबूरन घरों का कचरा बाहर डालना पड़ रहा है, जिससे जगह-जगह गंदगी के ढेर लग गए हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रखा कचरा पात्र भी हटा लिया गया है, जिसके बाद लोग खुले में कचरा डालने को विवश हैं। वहीं नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें जमा कचरा सड़कों तक फैल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत ने संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि वार्डों में प्रतिदिन कचरा संग्रहण की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कर्मचारियों को भी व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। वार्ड निवासी नसीम बानो, शमीम बानो, माजिदा बानो, रेहाना बानो और फरीदा बानो ने बताया कि उनके क्षेत्र की एक गली ऐसी है, जहां आज तक एक भी दिन ऑटो टिपर कचरा उठाने नहीं पहुंचा। नियमित सफाई नहीं होने के कारण लोगों को आसपास के खाली स्थानों और गलियों में कचरा डालना पड़ता है, जिससे पड़ोसियों के

बीच विवाद की स्थिति बन रही है। कचरा डालने को लेकर कई बार कहासुनी और झगड़े तक हो चुके हैं। महिलाओं ने कुछ सफाई कर्मियों पर अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि शिकायत करने पर उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला, बल्कि कुछ कर्मचारियों ने झाड़ू से मारने तक की धमकी दी।

इस दौरान अदनान तंवर, मुकेश सोनी, वासिद हाशमी, रुस्तम अली, महबूब सैयद, बिलाल सैयद, उस्मान सैयद, रफीक अंसारी, खालिक तंवर, इमरान डायर, मोहम्मद रमजान, फारूक बिस्ती, नसीम बानो, शमीम बानो, माजिदा बानो, रेहाना बानो, फरीदा बानो सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद रहें। गौरतलब है कि नया सफाई ठेका लागू होने के बाद भी यदि लोगों को सफाई व्यवस्था के लिए विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है, तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका को सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग कर वार्डों में प्रतिदिन कचरा संग्रहण और सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि नागरिकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

ड्राइवरों की समस्याओं के समाधान की उठी जोरदार मांग

शहर के ऐतिहासिक नाई वाली चौक पर ड्राइवर्स,सहायकों का कुशलक्षेम पूछने पहुंचे लोक सेवा मंच के पदाधिकारी

दूसरों को सुखद यात्रा कराने वाले ड्राइवरों की जीवन यात्राएं भारी संकट में: अशोक प्रधान

पब्लिक केरियर वाहनों के ड्राइवर्स का धंधा संकट में,घटने लगी आमदनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी ।

जनहित में जारी 'मेगा मिशन जनसंपर्क अभियान' के तहत राष्ट्रीय सामाजिक संगठन लोक सेवा मंच के पदाधिकारियों ने पब्लिक केरियर वाहनों के ड्राइवर्स तथा उनके सहायकों के बीच पहुंचकर कुशलक्षेम पूछा और उनकी समस्याएं जानीं । मंच के पदाधिकारियों से ड्राइवर्स तथा उनके सहायकों ने समस्याओं की आवाज बुलंद करने का जोरदार आग्रह किया । उन्होंने सरकार से समस्याओं के तुरंत समाधान की पुरजोर गुहार की। शहर के ऐतिहासिक नाई वाली चौक के समीप राष्ट्रीय प्रगतिशील विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान सहित कोर कमेटी के सदस्य महेश कौशिक,बीके राम सिंह,नंदलाल यादव से पब्लिक करियर निजी वाहनों के ड्राइवर्स व उनके सहायकों ने अपनी ज्वलंत समस्याओं का दर्द सांझा किया । यात्री,मालवाहक वाहनों के अनेक ड्राइवर्स व

उनके सहायकों ने कहा कि वे बहुत कठिनाइयां झेल रहे हैं । उन्होंने बताया कि काम मिलने का संकट, पेट्रोल-डीजल तथा सीएनजी के लगातार बढ़े रेट,चौतरफा महंगाई तथा सामाजिक सुरक्षा-सहायता के लिए पर्याप्त सरकारी सहयोग के बिना उनका व उनके परिवारों का गुजारा बहुत ही मुश्किल हो रहा है ।

इस अवसर पर प्रगतिशील विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान लोक सेवा मंच ने आश्वस्त किया कि ड्राइवर्स,उनके सहायकों की कठिनाइयों को लेकर जनहित में प्रदेश के परिवहन मंत्री, समाज कल्याण मंत्री,मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाएंगे । समाधान होने तक मेगा मिशन अभियान जारी रहेगा । बैठक में ध्वनिमत से सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित हुआ कि सरकार को जनहित में प्रत्येक ड्राइवर व उनके सहयोगी स्टॉफ को पहचान पत्र प्रदान करने, शिक्षित बेरोजगार से ड्राइवर-सहायक बने ऐसे हर जरूरतमंद नागरिक को स्वरोजगार के लिए 20 लाख रुपये तक का इंटरेस्ट फ्री लोन 20' सब्सिडी के साथ लॉन्ग टर्म के लिए उपलब्ध कराने ,सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रत्येक ड्राइवर व स्टाफ को एक करोड़ रुपए की पर्सनल एक्सीडेंटल बीमा पॉलिसी तथा ड्राइवर्स, स्टाफ सहित उनके परिजनों को 50 लाख रुपए की फैमिली हैल्थ बीमा पॉलिसी निःशुल्क उपलब्ध कराने की जनहितकारी मांगों पर तुरंत विचार करना चाहिए । सरकार को प्रत्येक व्हीकल स्टैंड पर अटल कैंटीन खोलकर रू5 में चाय-नाश्ता , रू10 में सुबह व शाम का खाना उपलब्ध कराने , ड्राइवर्स और स्टाफ के बैठने एवं विश्राम करने हेतु प्रत्येक व्हीकल स्टैंड पर बिजली- पानी, शौचालय आदि सुविधाओं युक्त शेल्टर होम निर्मित करने, प्रत्येक शहर-कस्बे में ड्राइवर्स एंड स्टॉफ के लिए हॉस्टल्स बनाकर ?200 प्रतिमाह किराए में सपरिवार आवासीय सुविधा देने,वर्ष में दो बार ड्राइवर्स-स्टाफ तथा उनके परिवारजनों का निःशुल्क हेल्थ चैकअप कराने , महिला- पुरुष ड्राइवर्स व सहायकों को क्रमशः 58 व 60 वर्ष की आयु होने पर रुपए 20 हजार प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने , हर व्हीकल स्टैंड पर व्हीकल शैड सुविधा भी उपलब्ध करानी चाहिए।

विशिष्ट सत्संग गौरव सम्मान से सम्मानित हुए पं. गौरीशंकर शर्मा हरितवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

श्रीराम धर्मसंघ परिषद् द्वारा चोमू में आयोजित एक भव्य समारोह में अजीतगढ़ निवासी पं. गौरीशंकर शर्मा हरितवाल को श्रीसीताराम नाम सत्संग सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'विशिष्ट सत्संग गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। परिषद् द्वारा प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र में पं. हरितवाल की सत्संग सेवा को अत्यंत उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मान प्राप्त होने पर क्षेत्र के धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों तथा सत्संग प्रेमियों में हर्ष का वातावरण है। गौरतलब है कि पं. गौरीशंकर शर्मा हरितवाल पिछले लगभग दो दशकों से सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनसेवा और धर्म प्रचार के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में भगवान श्रीरामचरितमानस के कार्यक्रमों का क्षेत्र के अनेक गांवों में भव्य आयोजन किया जाता है। इसके अलावा 108 अखंड रामायण पाठ, 11 हजार हनुमान चालीसा पाठ जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया जा रहा है। साथ ही मंदिरों के जीर्णोद्धार

एवं विकास कार्यों को भी गति प्रदान की जा रही है। पं. हरितवाल एवं उनके परिवार की सेवा और संस्कार निर्माण से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों में भी सक्रिय भागीदारी रही है। उनके प्रयासों से क्षेत्र में धार्मिक नवजागरण को बढ़ावा मिल रहा है तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस सम्मान पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धार्मिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने पं. गौरीशंकर शर्मा हरितवाल को शुभकामनाएं देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग प्रशिक्षक डॉ. प्रिया गहन ने कराया योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनूं द्वारा शनिवार को योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्थानीय बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक डॉ. प्रिया गहन ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ एवं मन शांत रहता है। योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाता है तथा तनावमुक्त एवं संतुलित जीवन जीने में सहायक है। ट्रस्ट के प्रभारी मनोज कुमार गनोंलिया ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और परंपरा की अमूल्य धरोहर है। इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं निरोगी जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने सभी

लोगों से नियमित योग करने और समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई। ट्रस्ट की ओर से सभी प्रतिभागियों को फलाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम में वीना रानी, ग्यारसी देवी, समीर गहन, प्रियांशु गहन, फेमियश, आराध्या बाकोलिया, काव्या घोटड़, प्रिंस, मयंक सहित अन्य सदस्य एवं बच्चे उपस्थित रहें।

ईशा गजराज ने नाबाद शतक लगाकर टीम को दिलाई जीत

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

जिले की प्रतिभाशाली क्रिकेटर ईशा गजराज ने अलवर सीनियर महिला स्टेट क्रिकेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। प्रतियोगिता में भीलवाड़ा टीम की ओर से खेलते हुए ईशा ने चित्तौड़गढ़ टीम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और नाबाद शतक बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।ईशा की इस उपलब्धि से जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। ईशा, प्रीतम सिंह गजराज की पुत्री हैं और मूल रूप से पालोता गांव, बुहाना की निवासी हैं। उनके पिता वर्तमान में बिसाऊ तहसील की भीखनसर ग्राम पंचायत में पटवारी पद पर कार्यरत हैं।ईशा की इस शानदार उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, खेल प्रेमियों एवं परिजनों में खुशी का माहौल है। लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस सफलता को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताया।

गो सेवकों ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, निष्पक्ष जांच और पुनः विचार करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

मध्यप्रदेश के बरसा खेड़ा प्रकरण में 14 गौ सेवकों को दी गई आजीवन कारावास की सजा के विरोध में बिसाऊ के गौ सेवकों ने तहसीलदार के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं पुनर्विचार की मांग की है। ज्ञापन में गो सेवक प्रदीप, खेमसिंह, विक्रम सहित अन्य लोगों ने बताया कि उक्त प्रकरण में 14 गौ सेवकों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाने से देशभर के गो भक्तों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में गहरी चिंता और असंतोष व्याप्त है। उनका कहना है कि मामले में आरोपित व्यक्तियों को उपलब्ध तथ्यों, परिस्थितियों तथा उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के समुचित मूल्यांकन के बिना कठोर

दंड दिया गया है, जिससे न्याय की भावना आहत हुई है।गो सेवकों ने मांग की कि प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाई जाए तथा दोषसिद्ध व्यक्तियों को न्याय प्राप्त करने के लिए सभी संवैधानिक एवं कानूनी अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है। इस अवसर पर उपस्थित गो सेवकों ने कहा कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं, लेकिन मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है ताकि सत्य सामने आ सके और न्याय सुनिश्चित हो सके।

मोहर्रम पर्व सौहार्द व शांति के साथ मनाने का आह्वान, मंडावा थाने में हुई शांति समिति की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को मंडावा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, सीएलजी सदस्यों, मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों तथा मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर पर्व की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता डिप्टी हरि सिंह धायल ने की, जबकि तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर एवं थाना अधिकारी रामनारायण चोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मोहर्रम के दौरान निकलने वाले ताजिया जुलूसों, धार्मिक आयोजनों तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जुलूस मार्गों की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, यातायात प्रबंधन

तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से सुझाव भी लिए तथा उन्हें प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया। साथ ही सभी समुदायों से आपसी भाईचारे, प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के साथ पर्व मनाने की अपील की गई। इस अवसर पर प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा एवं जनजागरूकता से जुड़े विषयों पर भी विशेष चर्चा की गई। उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों से बचाव, यातायात नियमों की पालना, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन कर नागरिक स्वयं के साथ-साथ दूसरों के जीवन की भी रक्षा कर सकते हैं। बैठक में पूर्व पालिकाध्यक्ष सज्जन मिश्रा, विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता अजय जांगिड़, नगर पालिका कार्मिक सत्यनारायण शर्मा नरेंद्र सिंह, मोहमद आमीनकारी, युनुस मोम, अयूब खत्री, विद्याधर सैनी, सीताराम सैनी, इब्राहिम रंगरेज, प्यारेलाल फरडोलिया सहित सीएलजी सदस्य, मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारी, वॉलंटियर्स एवं मुस्लिम समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। अंत में प्रशासनिक अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि मोहर्रम पर्व के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेंगे।

समाजसेवी जयनारायण बुडानिया की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, वृक्षारोपण व हेलमेट वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

प्रख्यात समाजसेवी स्वर्गीय जयनारायण बुडानिया की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को मंडावा थाना परिसर में श्रद्धांजलि सभा, वृक्षारोपण एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर स्वर्गीय बुडानिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय जयनारायण बुडानिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उपस्थित वक्ताओं ने उनके सामाजिक, जनसेवी एवं मानवीय कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और सदैव जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहे। उनके कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए थाना परिसर में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुडानिया परिवार की ओर से मुकेश कुमार बुडानिया, अमित कुमार बुडानिया एवं रतनलाल बुडानिया द्वारा 100 हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने तथा

यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की गई। कार्यक्रम में पूर्व पालिका अध्यक्ष सज्जन मिश्रा, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, डिप्टी हरिसिंह धायल, मंडावा थाना प्रभारी रामनारायण चौयल, राजेश रणजीरोत, दिलराज सिंह,आयुष आर्यन बाबू मयंक अरविन चिराग़ महेंद्र विद्याधर सैनी सीताराम सैनी शीशराम बुरड़क अनूप शर्मा, मुकेश, बनवारी, सुरेंद्र, रविकांत, जितेंद्र, श्रवण, नवीन, अखिलेश, योगेश,सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय जयनारायण बुडानिया का जीवन समाज सेवा, जनकल्याण और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाजहित में कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

मोलावास में बाबा महापुरुष महाराज के प्रथम मेले की धूम, 151 महिलाओं की कलश यात्रा संपन्न, कल लगेगा विशाल भंडारा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । ग्राम मोलावास में आस्था का माहौल है। श्री 1008 बाबा महापुरुष महाराज के प्रथम मेले एवं विशाल भंडारे से पहले शोमवार 22 जून 2026 को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। प्रातः 8:15 बजे एमपीएस सुनिता यादव, जालावास ग्राम पंचायत सरपंच अजीत यादव, भाजपा नेता इंदर यादव और पंडित अखिलेश शास्त्री ने घट स्थापना कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। 151 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर गांव की मुख्य सड़कों से होते हुए मेले स्थल तक यात्रा निकाली और फिर बाबा महापुरुष महाराज के मंदिर पर पहुंचकर यात्रा संपन्न की। कलश यात्रा में अंशु सोनी, उदयभान, राजकुमार, होशियार सेन, सोमदत्त अहरोदिया, सुभाष थानेदार, धाकड़ यादव, योगेश शर्मा,भीम सिंह, जागिरदार, महिपाल फौजी, तरुण सोनी, संदीप पार्षद, नवीन यादव सहित

बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। आयोजन समिति के संजय यादव और सोमदत्त अहरोदिया ने बताया कि कल शोमवार 23 जून को प्रातः 7:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन किया जाएगा। प्रातः 10:15 बजे से विशाल भंडारा शुरू होगा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की उम्मीद है। भंडारे के साथ धार्मिक आयोजन के साथ-साथ रागनी प्रतियोगिता भी होगी। प्रसिद्ध लोक कलाकार तरुण बलियान, पूजा राव, छाया चौधरी, सुरेश बेनीवाल और बिजेन्द्र मोर अपनी भजन-संध्या और लोकगीतों से श्रद्धालुओं को भक्ति भाव में डुबो देंगे। मेले को दिव्यता प्रदान करने के लिए महंत श्यामदास जी महाराज का सान्निध्य और महंत ध्यानदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त होगा। प्रथम मेले को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्र में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन समिति और समस्त ग्रामवासी मोलावास ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित मेले में पहुंचकर बाबा महापुरुष महाराज का आशीर्वाद लें और भंडारे का प्रसाद ग्रहण करें। ग्रामीणों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों का मानना है कि श्रद्धालुओं की उपस्थिति से ही इस आयोजन की शोभा बढ़ेगी और बाबा महापुरुष महाराज का पहला मेला ऐतिहासिक बन जाएगा।

मंगल गीतों की गूंज के बीच हुई गोद भराई, अन्नप्राशन संस्कार ने बढ़ाई ग्रामीण सेवा शिविर की रौनक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । ग्राम पंचायत हेतमसर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मातृ एवं शिशु कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाकर खुशियों का माहौल बनाया तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग, मंडावा द्वारा बियानी पत्नी अशोक कुमार की गोद भराई की रस्म संपन्न कर उनके सुखद एवं स्वस्थ्य मातृत्व की मंगलकामना की गई। वहीं छह माह पूर्ण करने पर बेटी दृश्या पुत्री मुरारी लाल का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने मंगल गीत गाकर परिवार को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में भाजपा नेता प्यारेलाल ढूकिया, उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर,

विकास अधिकारी अमित चौधरी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रियंका, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता, विमला, किरण, संतोष तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण परंपराओं और सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करते हैं। ग्रामीण सेवा शिविर में आयोजित इस कार्यक्रम ने महिलाओं और ग्रामीणों के बीच विशेष उत्साह का माहौल बना दिया।

जनकल्याण शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान, योजनाओं की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को ग्राम पंचायत हेतमसर के अटल सेवा केंद्र परिसर में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की खाता विभाजन, पट्टा वितरण सहित विभिन्न समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया ने ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषाहार एवं क्षय रोगियों को पोषण किट वितरित किए गए। शिविर में उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, ग्राम विकास अधिकारी अमित चौधरी, सीबीओ पवन कुमार, सरपंच खुशबू चौधरी, मंडल अध्यक्ष विकास ईसरवाल, अभिमन्यु चौधरी सहित ग्रामीण मौजूद रहें।

ट्रेनों में जबरन वसूली पर RPF का शिकंजा, 52 दिन में 97 किन्नरों पर कार्रवाई

यात्रियों को परेशान करने और न्यूसेंस फैलाने वालों के खिलाफ मथुरा जंक्शन पर चला विशेष अभियान, वर्ष 2026 में अब तक 198 पर हुई कानूनी कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-मथुरा।

मनोज खंडेलवाल । रेल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मथुरा जंक्शन ने ट्रेनों और स्टेशन परिसर में जबरन वसूली तथा न्यूसेंस फैलाने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। विशेष अभियान के तहत 1 मई से 22 जून 2026 तक ट्रेनों में यात्रियों से जबरन धनराशि वसूलने, अभद्र व्यवहार करने और अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले 97 किन्नरों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अभियोजन की कार्रवाई की गई है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त राज मोहन पिचाई के निर्देशन तथा सहायक सुरक्षा

आयुक्त अरुण कुमार वर्मा के सुपरविजन में प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार कौशिक के नेतृत्व में यह अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल अधिकारियों के अनुसार रेल परिसरों में किसी भी प्रकार की जबरन वसूली, यात्रियों से अभद्रता अथवा अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक ऐसे मामलों में कुल 198 किन्नरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर अभियोजन सुनिश्चित किया जा चुका है। अभियान का उद्देश्य यात्रियों को भयमुक्त और सुरक्षित यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि रेल सफर सुगम और व्यवस्थित बना रहे। रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान यदि कोई व्यक्ति जबरन धनराशि मांगता है, अभद्र व्यवहार करता है अथवा किसी संदिग्ध गतिविधि में लिप्त दिखाई देता है तो इसकी सूचना तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 या निकटतम आरपीएफ एवं जीआरपी अधिकारी को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

युवा शक्ति के सहारे समाज को नई दिशा देने का संकल्प, रोहित गर्ग का मंडावर में भव्य स्वागत

अग्रवाल समाज की एकजुटता और युवा भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के नवनियुक्त युवा प्रदेश अध्यक्ष रोहित गर्ग के मंडावर आगमन पर रविवार शाम साइंस कैंपस स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल सम्मेलन, अग्रवाल युवा सम्मेलन एवं अग्रवाल महिला सम्मेलन के पदाधिकारियों और समाजजनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए समाजहित में नई ऊर्जा के साथ कार्य करने का विश्वास जताया। अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष महेश चंद्र गर्ग एवं अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामनिवास गोयल ने रोहित गर्ग का माला, दुपट्टा और साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। उनके साथ आए अतिथियों का भी कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। अपने संबोधन में युवा प्रदेश अध्यक्ष रोहित गर्ग ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की ताकत उसकी एकजुटता में निहित है और युवाओं को संगठन से जोड़कर सामाजिक विकास की नई राह तैयार की जाएगी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा कि समाज की

मजबूती के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से संगठन से जुड़कर सामाजिक सरोकारों में भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए आपसी सौहार्द और एकता बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन पूरण बंसल एवं अवधेश अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर महामंत्री अनंत मंगल, उपाध्यक्ष रामअवतार सिंहल, कोषाध्यक्ष राजेश बंसल, युवा अध्यक्ष सन्नी गर्ग, युवा महामंत्री शिवम मंगल, युवा जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गोयल सहित संजीव कंसल, शुभम बंसल, द्वारकाप्रसाद गोयल, राजेंद्र गोयल, अनिल मित्तल, योगेश अग्रवाल, नरेंद्र बंसल, मनोज मंगल, विवेक अग्रवाल, संतोष सिंहल, मनोज गर्ग, सुरेश बंसल, वंदना सिंहल, मंजू मित्तल, कल्पना गर्ग समेत बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहें।

कृष्ण-रुक्मणी विवाह की झांकी ने मोहा मन, श्रद्धालु हुए भावविभोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । ग्राम ऊकरूंद में पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी रामफूल मीना के निवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव के छठे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। वृंदावन धाम के कथावाचक पंडित परशुराम शास्त्री ने कृष्ण-रुक्मणी विवाह, उद्धव-गोपी संवाद, मथुरा गमन एवं गोपी गीत के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, समर्पण और धर्म की स्थापना का संदेश देता है।कथा के दौरान कृष्ण-रुक्मणी विवाह की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महाआरती के समय जयकारों और दीपों की जगमगाहट से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर रामखिलाड़ी मीना, रिटायर्ड एसडीएम जगराम मीना तथा रामचंद्र मीना द्वारा केला प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, पंच-पटेल एवं बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहें।

मंडावा ब्लॉक की विकास तस्वीर अब आंकड़ों में, 'ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा-2025' का हुआ प्रकाशन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से प्रत्येक वर्ष प्रकाशित की जाने वाली ब्लॉक स्तरीय सांख्यिकी रूपरेखा के तहत मंडावा कार्यालय द्वारा 'ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा-2025' का प्रकाशन किया गया। इसका उद्देश्य मंडावा ब्लॉक की सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक स्थिति का समग्र चित्र प्रस्तुत करते हुए विकास के विभिन्न क्षेत्रों का तुलनात्मक विवरण उपलब्ध कराना है। प्रकाशित रूपरेखा में क्षेत्रफल, जनसंख्या, जलवायु, कृषि, पशुपालन, वन, सिंचाई, सहकारिता, खनिज एवं उद्योग, संचार एवं परिवहन, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, योजना एवं विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों को संकलित किया गया है। यह प्रकाशन क्षेत्र के भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक परिवेश की स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है तथा विकास योजनाओं के निर्माण एवं मूल्यांकन में उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर कार्यालय द्वारा 'ब्लॉक एक दृष्टि' नामक फोल्डर का भी प्रकाशन किया गया, जिसमें मंडावा ब्लॉक का संक्षिप्त परिचय तथा 19

विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं संकलित की गई हैं। प्रकाशन अवसर पर उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, तहसीलदार डॉ सुरेंद्र भास्कर, विकास अधिकारी मंडावा अमित चौधरी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार,ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी शारदा देवी, सांख्यिकी निरीक्षक नरेश कुमार तथा सांख्यिक कर्मचारी एवं संगणक राकेश कुमार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि सटीक एवं व्यवस्थित आंकड़े किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होते हैं तथा नीति निर्माण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पचेरी कलां में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित, जनसमस्याओं का किया त्वरित निस्तारण

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

ग्राम पंचायत पचेरी कलां के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में सोमवार को ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना रहा। शिविर में कैंप प्रभारी ने ग्रामीणों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई की गई तथा कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर राहत प्रदान की गई। शिविर में विकास अधिकारी अशोक कुमार, ग्राम पंचायत प्रशासक सविता बोहरा, अतिरिक्त विकास अधिकारी प्रदीप टेलर, ग्राम विकास अधिकारी मुकेश यादव, डॉ. नवीन, डॉ. नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए

प्रेरित किया। इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों को पट्टों का वितरण भी किया गया।ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव स्तर पर ऐसे शिविरों के आयोजन से लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविर में सभी विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति के कारण ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला तथा उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की गई।

ताराचंद पुजारी की गिरफ्तारी पर ब्राह्मण समाज में आक्रोश, निष्पक्ष जांच की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मंदिर के पुजारी ताराचंद शर्मा से जुड़े लूट एवं मारपीट प्रकरण को लेकर सोमवार को मंडावर ब्राह्मण समाज ने समाज अध्यक्ष महंत संतोष शर्मा के नेतृत्व में दौसा पहुंचकर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। समाज ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में

बताया गया कि पुजारी द्वारा दर्ज कराए गए लूट एवं मारपीट के मामले में अब तक कथित रूप से छीना गया मोबाइल और नकदी बरामद नहीं हुई है तथा आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई भी नहीं की गई। समाज का आरोप है कि बाद में आरोपियों ने स्वयं को बचाने के लिए पुजारी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया, जिसके चलते उन्हें जेल भेज दिया गया। समाज के लोगों ने कहा कि दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच होने पर वास्तविक तथ्य सामने आएंगे। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष ब्रजमोहनदास शर्मा, कोषाध्यक्ष पवन जोशी, युवा अध्यक्ष अवधेश पटेल, हितेश जोशी, दिलीप जोशी, रवि शर्मा, उमेश हल्दैनिया, ओमप्रकाश शर्मा, मोहनलाल शर्मा, संदीप शर्मा, ताराचंद पुजारी, रवि एडवोकेट, हरिओम हांडली, अरुण दीक्षित, पुष्पेंद्र शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाजजन मौजूद रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर: 55 वर्षों की प्रतीक्षा हुई समाप्त, ग्रामीण सेवा शिविर में मिला जन्म प्रमाण पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत स्तर ग्रामीण सेवा शिविर ने एक बार फिर आमजन की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कर मिसाल पेश की है। पंचायत समिति मंडावा की ग्राम पंचायत हेतमसर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान क्षेत्र निवासी धर्मपाल को जन्म के लगभग 55 वर्ष बाद अपना जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। धर्मपाल का जन्म वर्ष 1971 में हुआ था, लेकिन विभिन्न परिस्थितियों एवं पुराने अभिलेखों के अभाव में वे अब तक जन्म प्रमाण पत्र बनवाने से वंचित थे। इसके कारण उन्हें बैंकिंग कार्यों, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, पहचान संबंधी दस्तावेज बनवाने तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीण सेवा शिविर में

उन्होंने अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी। संबंधित दस्तावेजों की जांच, आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने तथा विभागीय समन्वय के बाद उनका जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया। जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर धर्मपाल एवं उनके परिवार ने खुशी व्यक्त करते हुए राजस्थान सरकार तथा ग्रामीण सेवा शिविर की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज उनके लिए केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि उनकी पहचान और अस्तित्व का आधिकारिक प्रमाण है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर देवीलाल, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी एवं जन्म-मृत्यु ब्लॉक नोडल अधिकारी शारदा देवी, विकास अधिकारी अमित, सांख्यिकी कर्मचारी संगणक राकेश कुमार तथा जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार नीतिका लॉयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ग्रामीण सेवा शिविर का यह उदाहरण दर्शाता है कि शिविर केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान कर आमजन के जीवन को सरल, सुगम और सम्मानजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चिड़ावा के राजकीय महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व योग दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्थानीय मास्टर हजारी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर योग प्रशिक्षक रजनीकांत मिश्रा लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय के स्टाफ, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान योग प्रशिक्षक रजनीकांत मिश्रा ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न योगासनों और

प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वस्थ तन और मन के लिए जीवन में योग की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए मिश्रा ने कहा कि 'योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। नियमित रूप से योगाभ्यास करने से व्यक्ति अपने जीवन में असाधारण गुणात्मक परिवर्तन ला सकता है।' उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें मुख्य रूप से राकेश शर्मा एवं कमलेश सैनी शामिल रहें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नियमित योग करने और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

कुछ ही घंटों में चावल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

जाखल पुलिस ने चोरीशुदा चावल का बैग और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल की बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । थाना जाखल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली से चावल चोरी की वारदात का कुछ ही घंटों में खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जाखल मंडी की बाजीगर बस्ती निवासी पूरण उर्फ विक्की पुत्र दर्शन तथा सोनू उर्फ गंगू पुत्र बलबीर के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरीशुदा 50 किलो चावल का बैग तथा

वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि सिंगला एग्रो फूड्स के पार्टनर दीपक पुत्र मक्खन लाल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार 20 जून को दो युवक मोटरसाइकिल पर आए और मिल के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से चावल का बैग चोरी कर फरार हो गए।सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। इस संबंध में थाना जाखल में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है।

सुरक्षित घर लौटना ही सबसे बड़ी मंजिल है, रफ्तार नहीं जिम्मेदारी चुनिए: एसपी निकिता खट्टर

मताना और अमानी की दर्दनाक घटनाएं दे रही हैं सुरक्षित वाहन चलाने का संदेश

228 सड़क दुर्घटनाओं में 94 मौतों के आंकड़े बने गंभीर चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सड़क पर निकलने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी परिवार की उम्मीद, विश्वास और खुशियों का आधार होता है। एक छोटी-सी लापरवाही पलभर में किसी घर की मुस्कान हमेशा के लिए छीन सकती है। सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक, सामाजिक और मानवीय दायित्व भी है। इसी उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने जिले के सभी वाहन चालकों एवं आमजन से यातायात नियमों का पालन करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की भावनात्मक अपील की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हाल ही में राजस्थान के डूंगरगढ़ के समीप मताना निवासी परिवार के साथ हुई सड़क दुर्घटना तथा टोहाना के अमानी के पास हुई भीषण बस दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। इन दर्दनाक हादसों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सड़क दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की जान

नहीं लेती, बल्कि पूरे परिवार की खुशियां, सपने और भविष्य को भी बिखेर देती है। ऐसे हादसे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं कि सड़क पर थोड़ी-सी असावधानी भी अपूरणीय क्षति का कारण बन सकती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में फतेहाबाद जिले में कुल 228 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 187 लोग घायल हुए तथा 94 लोगों की असमय मृत्यु हो गई। वहीं वर्ष 2026 में अब तक 88 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें 78 लोग घायल हुए तथा 38 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि ये केवल सरकारी आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की पीड़ा की कहानी हैं जिन्होंने अपने किसी प्रियजन को हमेशा के लिए खो दिया।

निकिता खट्टर ने कहा, 'जब आप घर से निकलते हैं तो आपका परिवार आपकी सुरक्षित वापसी की दुआ करता है। आपकी एक छोटी-सी गलती किसी मासूम बच्चे से उसका पिता, किसी मां से उसका बेटा और किसी पत्नी से उसका जीवनसाथी छीन सकती है। इसलिए सड़क पर रफ्तार नहीं, जिम्मेदारी चुनिए। कुछ मिनट पहले पहुंचने की जल्दबाजी कभी भी किसी की जिंदगी से बड़ी नहीं हो सकती।' उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाना, मोबाइल फोन का प्रयोग, गलत दिशा में वाहन चलाना, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, खतरनाक ओवरटेक तथा लापरवाही हैं। यदि प्रत्येक वाहन चालक इन गलतियों से बच जाए तो अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने सभी दोपहिया वाहन चालकों एवं पीछे बैठने वाले व्यक्ति से आईएसआई मानक का हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहन में चालक सहित सभी यात्रियों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील करते हुए कहा, 'हेलमेट और सीट बेल्ट चालान से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि आपके जीवन और आपके परिवार की खुशियों की सुरक्षा का सबसे मजबूत कवच हैं।' उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन करने के बाद वाहन बिल्कुल न चलाने की अपील की। साथ ही ट्रैफिक सिग्नलों, लेन अनुशासन एवं सड़क संकेतों का पालन करने, नाबालिग बच्चों को वाहन न सौंपने तथा बरसात, तूफान, धूलभरी आंधी एवं रात्रि के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने का भी आग्रह किया।पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा, 'मताना और अमानी की दर्दनाक घटनाएं हम सभी के लिए एक सीख हैं कि सड़क पर की गई एक छोटी-सी लापरवाही जीवनभर का पछतावा बन सकती है। यदि हम यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट को अपनी आदत बनाएं, गति पर नियंत्रण रखें और नशे की हालत में वाहन न चलाएं, तो अनेक अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता है। आइए, हम सभी संकल्प लें कि स्वयं भी सुरक्षित वाहन चलाएंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। यही एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय है।

मंडावर महवा रोड रेल्वे स्टेशन पर अमृत भारत एक्सप्रेस के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, दिखा उत्सव जैसा माहौल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । पूर्वी राजस्थान को बिहार से जोड़ने वाली खातीपुरा-दरभंगा-खातीपुरा अमृत भारत एक्सप्रेस के मण्डावर महुवा रोड रेलवे स्टेशन पहुंचने पर सोमवार रात ऐतिहासिक और यादगार नजारा देखने को मिला। दुल्हन की तरह सजी ट्रेन जैसे ही स्टेशन पर पहुंची, वैसे ही स्वागत के लिए उमड़ा जनसैलाब खुशी से झूम उठा और पूरा स्टेशन परिसर उत्सव के रंग में रंग गया। जयपुर के खातीपुरा स्टेशन से रवाना होने के बाद रात्रि करीब 8 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मण्डावर महुवा रोड रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में शहरवासी और रेल प्रेमी स्टेशन पर पहुंच गए। लोगों ने चालक और परिचालक का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप साफा बांधकर, मालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान लोगों के चेहरों पर नई रेल सेवा के शुभारंभ की खुशी साफ झलक रही थी। क्षेत्रवासियों ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि विकास और बेहतर संपर्क की नई पटरी है। इससे पूर्वी राजस्थान और बिहार के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को सीधी और सुगम रेल सुविधा मिलेगी। साथ ही व्यापार, रोजगार और सामाजिक रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। लोगों का मानना है कि रेल संपर्क

खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस का भव्य अभिनंदन, साफा पहनाकर किया चालक-परिचालक का सम्मान।

मजबूत होने से क्षेत्र के विकास के नए द्वार खुलेंगे। 'मंजिलें खुद करीब आ जाती हैं, जब सफर को नई रफ्तार मिल जाती है।' अमृत भारत एक्सप्रेस के स्वागत के दौरान कुछ ऐसा ही उत्साह देखने को मिला। निर्धारित दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन भरतपुर के लिए रवाना हो गई, लेकिन अपने पीछे क्षेत्रवासियों के चेहरे पर खुशी और नई उम्मीदों की चमक छोड़ गई। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा पटेल, रविंद्र हल्देनियाँ, मोहनलाल शर्मा, कमलनयन शर्मा, रिंकू हल्देनिया, राधेश्याम टीटी, कृष्णा हल्देनिया, कुलदीप सैनी, विश्वजीत दीक्षित, हरिओम प्रकाश, रामेश्वर, सुरेश शर्मा, विजय तिवडी, महेश टांक, पिंटू सैन सहित सर्वसमाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं रेल यात्री उपस्थित रहे।

एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

मौके पर ही संबंधित विभागों को आवेदन के समयबद्ध समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान क्षेत्र के नागरिकों की विभिन्न शिकायतों को सुना। इस दौरान उन्होंने नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त आवेदनों को मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेज कर उनके स्थायी निवारण हेतु जरूरी दिशा निर्देश दिए।सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में कुल तीन आवेदन प्राप्त हुए। इनमें एक आवेदन परिवार पहचान पत्र से संबंधित, एक पुलिस विभाग से संबंधित तथा एक आवेदन बिजली विभाग से संबंधित था। एसडीएम आकाश शर्मा ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को भेज कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर इनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री

नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे ये शिविर आमजन के लिए अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं, क्योंकि यहाँ एक ही छत के नीचे समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनहित के कार्यों को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक आवेदन का निपटारा पूरी संवेदनशीलता के साथ करें ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी किसी भी विभागीय या प्रशासनिक समस्या के समाधान के लिए इन शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं, जहाँ प्रशासन की पूरी टीम मौजूद रहती है। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित परिवार पहचान पत्र, पेंशन, बिजली, पेयजल, राजस्व तथा अन्य नागरिक सेवाओं से जुड़े आवेदन एवं शिकायतें सुनी जाती हैं, जिनका संबंधित विभाग द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया जाता है।

गुरुद्वारों पर कब्जा करने निहंगों ने मचाया उत्पात, इंटरनेट बंद, धारा 163 लागू

-उत्तराखंड में कई लोगों पर कर चुके हैं जानलेवा हमला

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग क्षेत्र में निहंगों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के बाद निहंगों ने अब रुद्रप्रयाग जिले के नगरासू और रुद्रप्रयाग में स्थित गुरुद्वारों पर कब्जे का प्रयास किया, जिससे स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण हो गई है। इस दौरान मारपीट, गाली-गलौज और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने कर्णप्रयाग में 27 जून तक बीएनएसएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 लागू कर दी है, वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं।

नगरासू गुरुद्वारे में उत्पन्न विवाद अभी शांत नहीं हुआ है, जहाँ खबर लिखे जाने तक सात से आठ निहंग गुरुद्वारे की छत पर डटे हुए हैं। उनकी मुख्य मांग बीते 16 जून को कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के संबंध में गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की तत्काल रिहाई है। गुरुद्वारा प्रबंधक बेहंत सिंह ने आरोप लगाया है कि निहंगों ने जबरन गुरुद्वारे में घुसने, कब्जा करने, गाली-गलौज करने, तोड़फोड़ करने और श्रद्धालुओं के लिए व्यवधान पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने 65 वर्षीय एक बुजुर्ग को बंधक बनाने का भी दावा किया, हालांकि बाद में एक व्यक्ति को निहंगों ने छोड़ दिया। छत पर पत्थर और अन्य सामग्री जमा होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और आईटीबीपी ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने निहंगों से करीब एक घंटे तक फोन पर वार्ता कर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, जिला प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाते हुए नगरासू में शनिवार शाम से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी थीं, जो लगभग 12 घंटे बाद रविवार शाम को बहाल की गईं। इसी तरह, कर्णप्रयाग में सिख समुदाय द्वारा धरना प्रदर्शन के आह्वान और वर्तमान में गतिमान चारधाम यात्रा में संभावित व्यवधान के मद्देनजर, कर्णप्रायग, गौचर और सिमली सहित कई अन्य स्थानों पर रविवार को पूरे दिन इंटरनेट बंद रहा। प्रशासन ने शनिवार रात को ही कर्णप्रयाग में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी थी, जो 27 जून तक प्रभावी रहेगी। यह आदेश पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एक साथ एक स्थान पर एकत्रित होने, जुलूस, जनसभा, धरना-प्रदर्शन करने और किसी भी प्रकार के शस्त्र, लाठी, चाकू, तलवार या विस्फोटक पदार्थ लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाता है। साथ ही किसी भी सार्वजनिक आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर भी रोक लगाई गई है।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने की बात

इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की और दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद का उचित हल निकालने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री धामी ने मान को विश्वास दिलाया कि इस मामले में कोई भी कदम पूरी तरह निष्पक्ष ढंग से उठाया जाएगा। बताया जा रहा है कि निहंग समुदाय में इस बात को लेकर भारी रोष है कि कर्णप्रयाग की तलवारबाजी घटना में केवल उनके सदस्यों पर ही मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है, जबकि स्थानीय लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे उनके बीच असंतोष गहरा गया है। बद्रीनाथ और हेमकुंड यात्रा दिनभर निर्बाध रूप से जारी रही।

35 हजार रुपये की रिश्वत लेते सदर थाना का सब इंस्पेक्टर विजिलेंस के हत्थे चढ़ा

फर्जी बस पास मामले में आरोपी को बचाने के नाम पर मांगी थी रिश्वत, सदर थाने में रंगे हाथों गिरफ्तारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । टोहाना सदर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह को विजिलेंस टीम ने 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार गांव नांगला निवासी राजेश नायक के खिलाफ हरियाणा रोडवेज का कथित फर्जी बस पास बनवाने संबंधी शिकायत दर्ज थी, जिसकी जांच सब इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह को सौंपी गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच अधिकारी ने मामले में राहत दिलाने के बदले 75 हजार रुपये की मांग की थी। बाद में 35 हजार रुपये लेकर उसे सदर थाना बुलाया गया। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना जींद विजिलेंस विभाग को दी। इसके बाद इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह के

नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार सुबह करीब 11 बजे टोहाना सदर थाना में छापा मारकर सब इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। विजिलेंस टीम ने आरोपी पुलिस अधिकारी को मौके पर गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

यूपी में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी बढ़ी, फिर होगा वेरिफिकेशन

-एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में एसआईआर में आंकड़ों को लेकर अलग दावे किए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। साथ ही नए बनने वाले मतदाताओं में 35 फीसदी मुस्लिम वोटर के भी दावे किए गए हैं। कई आयु वर्ग में आबादी के अनुपात से कहीं ज्यादा मुस्लिम मतदाताओं के होने की बात कही जा रही है। इसको लेकर गोपनीय तरीके से वेरिफिकेशन शुरू किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यूपी में एसआईआर प्रक्रिया के बाद हाई लेवल पर डेटा का गोपनीय विश्लेषण किया जा रहा है। इसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। विश्लेषण के क्रम में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां भी बात सामने आई है। अब इन तमाम गड़बड़ियों को दूर किए जाने को लेकर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया जा रहा है। यह अब बढ़कर 19.5 फीसदी पहुंचने की बात है।

जनगणना आंकड़ों के आधार पर की गई स्टडी को लेकर दावे सामने आए हैं। दरअसल, 2011 के जनगणना आंकड़ों को आधार माना जाए तो प्रदेश में कुल अल्पसंख्यक आबादी करीब 20.3 फीसदी है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदाय का 19.3 फीसदी है। इसके अलावा सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के लोग हैं। चुनाव आयोग की ओर से धार्मिक आधार पर वोटर्स के आंकड़े जारी नहीं किए जाते हैं। हालांकि, राजनीतिक और सामाजिक स्टडी ने अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक प्रदेश के कुल मतदाताओं में अल्पसंख्यक मतदाताओं की हिस्सेदारी उनकी आबादी के अनुपात में करीब 19-20 फीसदी के आसपास मानी जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूपी की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक पिछले तीन चुनावों से लगातार समाजवादी पार्टी गठबंधन के पक्ष में एकजुट होता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव 2019 में यह वर्ग सपा-बसपा गठबंधन के पक्ष में दिखा। यूपी चुनाव 2022 में सपा महागठबंधन के समर्थन में मुस्लिम वोट पड़ने की बात सामने आई। लोकसभा चुनाव 2024 में भी मुस्लिम समाज ने एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन दिया। ऐसे में मुस्लिम वोटरों के बढ़ने को लेकर कई प्रकार के दावे किए जा रहे हैं। बीजेपी के पसमांदा राजनीति के

बीच इस वर्ग के वोट शेयर में इजाफे की भी चर्चा है।

जोधपुर में 8 प्रसूताओं की ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ी, मचा हड़कंप

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में प्रसूताओं के जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोटा और बीकानेर में सामने आए भयावह मामलों के बाद अब जोधपुर से भी एक ऐसी ही गंभीर घटना सामने आई है, जिसने पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है। जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 8 प्रसूताओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए हैं और मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, इन महिलाओं की 20 जून को पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी कराई गई थी। ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद उनमें संक्रमण से जुड़े लक्षण दिखाई देने लगे, जिसने सबकी चिंता बढ़ा दी। प्रारंभिक आशंका के तौर पर बताया जा रहा है कि इनमें से 6 प्रसूताओं में सेप्टीसीमिया (रक्त संक्रमण) की संभावना है, जबकि दो अन्य महिलाओं की किडनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह स्थिति अस्पताल में अपनाई जा रही स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रक्रियाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। आठ में से दो प्रसूताओं की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उन्हें विशेष उपचार के लिए डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल की आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। अन्य प्रभावित महिलाओं का भी गहन उपचार जारी है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित ऑपरेशन थिएटर को सीज कर दिया है। संक्रमण के स्रोत का पता लगाने के लिए वहाँ उपयोग की गई दवाओं, उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। साथ ही, ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की भी विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

आप का भाजपा पर हमला : श्री राम की पादुकाएं और माला भी नहीं छोड़ी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर से उनकी पवित्र पादुकाएं और गले का हार चोरी होने के मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि जिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम की खड़ाऊं को राजा भरत ने 14 साल तक सिंहासन पर रखकर राज-काज चलाया था, उन्हीं खड़ाऊं को भाजपा से जुड़े लोगों ने कथित तौर पर चुरा लिया है। आप सांसद सिंह ने अयोध्या में सामने आए कथित घोटालों और चोरियों की श्रृंखला का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इससे पहले दो करोड़ की जमीन 18.5 करोड़ में, तीन करोड़ की जमीन 24 करोड़ में और नौ करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में खरीदने के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, दान पेटी और पवित्र राम शिलाओं की चोरी की घटनाएं भी करोड़ों हिंदुओं को आहत कर चुकी हैं। आप नेता ने इन बेईमान लोगों को चंदा चोर और ईडी पार्टी बताकर कहा कि ऐसी हरकतें करने में इन्हें जरा भी शर्म नहीं आती। उन्होंने कहा कि देश के लोग यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि इन लोगों ने श्री राम की पादुकाएं और उनके गले की माला तक चुरा ली है। संजय सिंह ने गांवों में छोटी-मोटी चोरी करने वालों के सामाजिक बहिष्कार का उदाहरण देकर कहा कि ये चंदे के चोर और बेईमान लोग भगवान राम की खड़ाऊं, मालाएं और पवित्र पत्थर चुरा रहे हैं, जमीन और चढ़ावे से जुड़ी गड़बड़ियां कर रहे हैं। उन्होंने देश की जनता से अपील की कि वे इस और बर्दाश्त न करें, जागें और इन बेईमान लोगों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएं। इसतरह के लोगों को सत्ता में रहने और देश पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं है।

लोहरदगा : पुलिस इंस्पेक्टर ने उठाई अर्थी, सुलझाया अंधविश्वास का विवाद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के लोहरदगा में पुलिस की मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का अनूठा उदाहरण सामने आया है। जहां थाना प्रभारी नीरज झा ने न सिर्फ दो गांवों के बीच शव के अंतिम संस्कार को लेकर उपजे विवाद को शांत कराया, बल्कि खुद ग्रामीणों के साथ मिलकर शव को कंधा देकर अंतिम संस्कार कराया। यह घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी और पारही डांड़ी टोली के बीच हुई, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर गतिरोध शुरु हुआ। पारही डांड़टोली के ग्रामीण अपने गांव के श्मशान घाट पर शव जलाने की तैयारी कर रहे थे, तभी अलौदी के ग्रामीणों ने यह कहकर विरोध किया कि दूसरे गांव का शव जलाने से उनके गांव में भूत-प्रेत और आत्माओं का प्रकोप बढ़ेगा। अंधविश्वास और गांव की सीमा को लेकर दोनों आदिवासी पक्षों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, इस विवाद को सुलझाने के लिए कुछ प्रबुद्धजनों के प्रयास भी असफल रहे। इसके बाद सूचना मिलते ही थाना प्रभारी झा अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाया, विवाद शांत कराया और फिर स्वयं शव को कंधा देकर श्मशान घाट तक पहुंचाया। उन्होंने परिजनों को अंतिम संस्कार में सहयोग कर कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि झारखंड के जनजातीय समाज में दूसरे गांव की सीमा में शव का अंतिम संस्कार करने को लेकर अक्सर इसतरह के विवाद देखने को मिलते हैं।

चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान... वाराणसी के युवक का अनोखा प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। वाराणसी,(ईएमएस)। श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के विरोध में वाराणसी के समाजसेवी रघुकुल यथार्थ शिवांशु ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कथित चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान कर भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। इस मौके पर रघुकुल यथार्थ ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। इसके बाद यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे जुड़े किसी भी कार्य में वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तब उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दान की प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए।

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास...

-जड़ी लिस्ट-ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका-ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के खिताबी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी का जलवा देखने को मिला। रविवार को दांबुला के रणगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में वैभव ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इंडिया-ए के लिए खेलने उतरे वैभव ने सिर्फ 11 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली, जिसमें 5 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। देखा जाए तो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचने के दौरान सिर्फ चौके-छक्के में डील किया और एक सिंगल तक नहीं लिया। 15 साल के वैभव ने तेज गेंदबाज दुलाज समुदिता की गेंद पर छक्का लगाकर अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचे।

वैभव सूर्यवंशी अब लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वीरारत्ने ने 1 नवंबर 2005 को रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए कुरुनेगला यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ सिर्फ 12 बॉल पर फिफ्टी जमा दी थी। वैभव ने सरफराज खान द्वारा बनाए गए भारतीय रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सरफराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सीजन में मुंबई की ओर से पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

सबसे तेज लिस्ट-ए शतक जड़ने का मौका गंवाया

वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज लिस्ट-ए शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने से भी बाल-बाल चूक गए। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम पर है। जेक ने अक्टूबर 2023 में साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए तस्मानिया के खिलाफ सिर्फ 29 बॉल पर शतक जमा दिया था। इस ट्राई सीरीज में फैन्स की निगाहें पूरी तरह वैभव सूर्यवंशी पर थीं। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में कुल मिलाकर 117 रन बना पाए थे। लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्होंने कत्लेआम मचा दिया। वैभव अब आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले हैं, जहां उनका इंटरनेशनल डेब्यू होने की पूरी संभावना है।

भारतीय मुक्केबाजों का जलवा, यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट में जीते 8 गोल्ड समेत 12 पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने चेक गणराज्य में आयोजित 56वें ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम (यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक अपने नाम किए। भारतीय मुक्केबाजों ने 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत का दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा दिया है।

महिला मुक्केबाजों ने दिलाया चार गोल्ड

महिला वर्ग में लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), प्रीति पंवार (54 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं परवीन (65 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सिर्फ पांच खिलाड़ियों के साथ भारतीय महिला टीम ने चार गोल्ड और एक सिल्वर जीतकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

पुरुष खिलाड़ियों ने भी दिखाया दम

पुरुष वर्ग में जदुमनी सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीते। आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) और कपिल पोखरिया (90 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किए, जबकि सुमित कुंडू (70 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। भारत ने कुल 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य सहित 12 पदकों के साथ टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

अजय सिंह ने खिलाड़ियों को दी बधाई

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच यह उपलब्धि भारतीय बॉक्सिंग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी।

भारत के पदक विजेता

स्वर्णः साक्षी, प्रीति पंवार, प्रिया, लवलीना बोरगोहेन, जदुमनी सिंह मंडेंगबाम, सचिन, अंकुश, नरेंद्र

रजतः परवीन, आदित्य प्रताप यादव, कपिल पोखरिया

कांस्यः सुमित कुंडू।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम, रोहित-कोहली की वापसी, यशस्वी बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम, दूसरा 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप जीता

-प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई किया

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप में जीत के साथ ही अगले सत्र के लिए भी प्रो लीग में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच महिला प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। ये भारतीय हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भारतीय टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट में विजेता बनी है।

खिताबी मुकाबले में शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही। उसने न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। मैच के चौथे मिनट में ही नवनीत कौर ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाद 15वें मिनट में, सुनेलिता टोप्पो ने दूसरा गोल दाग दिया। इन दो शुरुआती गोलों के बाद मेजबान टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद मेजबान टीम के किये हमले भारतीय रक्षापंक्ति ने विफल कर दिये। इससे कीवी टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। इससे मेजबानों को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मैच जीते। इससे उसकी निरंतरता का सबूत मिलता है। पूल चरण में टीम ने अमेरिका को 3-2 से, जापान को 2-1 से और उरुग्वे को 3-2 से हराया। इन करीबी जीतों से टीम का मनोबल बढ़ा है। इसके बाद सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने चिली को 6-0 के बड़े अंतर से हराया था। इसके बाद खिताबी मुकाबले में भी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए लालरेमसियामी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। वहीं, टूर्नामेंट में भारत की ओर से दीपिका ने सबसे अधिक छह गोल किये।

टीम की इस शानदार उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहायोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की जमकर सराहना करते हुए इसे देश को गर्व का अनुभव हुआ है।

महिला टी20 विश्व : पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुई, भारतीय टीम का पहुंचना तय

लंदन (एजेंसी) । पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है । वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है । वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का सफर समाप्त हो गया है । ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था । इसके बाद से ही ये टीमें बाहर हो गयीं । इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमें अपने तीन-तीन लीग मैच हारी हैं । उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी । वहीं ग्रुप ए की अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है । तीसरे स्थान पर बांग्लादेश है, जिसके तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ 4 अंक हैं । दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका एक जीत और एक हार के साथ 2 अंकों पर चौथे स्थान पर है ।

रूट टेस्ट क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट क्रिकेट के दूसरे ही मैच में अपने 14 हजार रन पूरे करने के साथह ही में एक और मील का पत्थर छू लिया है । इस शानदार उपलब्धि के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 14 हजारी बनने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं । उनसे पहले यह उपलबब्धि केवल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम थी । अब रूट उनके विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब जो रूट पहुंच रहे हैं । कीवी टीम के खिलाफ इंग्लैंड की दूसरी पारी में जैसे ही रूट ने अपना दूसरा रन लिया, उनके टेस्ट क्रिकेट में 14,000 हजार रन पूरे हो गये । मैच में चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक रूट ने 75 रन बनाए थे ।

पेरी 50 टी20 विश्व कप मैच खेलने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी 50 टी20 विश्वकप मैच खेलने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गयी हैं । पेरी ने क्रिकेट जगत में एक ऐसा ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है । जो आज तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर के नाम नहीं है । साउथेम्प्टन में जारी महिला टी20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के 14वें मैच के दौरान ही पैरी ने ये रिकार्ड बनाया । अब टी20 विश्व कप (पुरुष और महिला दोनों को मिलाकर) सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में पेरी नंबर एक पर पहुंच गयी हैं । पेरी ने साल 2009 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत से लेकर अभी तक कुल 50 मैच खेले हैं । इस सूची में भारतीय पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा भी पेरी से पीछे हैं । रोहित ने साल 2007 से 2024 के बीच 47 टी20 विश्व कप मैच खेले थे । पेरी ने महिला क्रिकेट की बात करें तो न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के अलावा , इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेटर जोस बटलर और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन को भी पीछे छोड़ दिया है । इन सभी के नाम 43-43 मैचों का रिकार्ड है । वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली के नाम 42 मैच हैं, जबकि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डेविड वार्नर 41-41 मैचों के साथ इस सूची में नंबर एक पर हैं । पेरी के नाम कई अन्य रिकार्ड भी हैं । वह पुरुष और महिला क्रिकेट में 1,000 रन बनाने और 100 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं । इसके अलावा, महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में वह सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं ।

फीफा वर्ल्ड कप: जापान ने ट्यूनीशिया को 4-0 से रौंदा, नॉकआउट के करीब पहुंची टीम

एस्टाडियो मॉन्टेरे (मेक्सिको) (एजेंसी)। एस्टाडियो ¬ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में जापान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस दमदार जीत के साथ जापानी टीम नॉकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गई है, जबकि ट्यूनीशिया का टूर्नामेंट से सफर समाप्त हो गया।

यह मुकाबला फीफा विश्व कप के इतिहास का 1000वां मैच भी था और जापान ने इसे यादगार बना दिया। टीम ने विश्व कप इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, साथ ही विश्व कप के एक मैच में चार गोल करने वाला पहला एएफसी देश बनने का गौरव भी हासिल किया।

जापान ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। डाइची कामादा ने चौथे मिनट में गोल दागकर विश्व कप में जापान की ओर से सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बनाया। कीटो नाकामुरा के शानदार क्रॉस पर उन्होंने आसान फिनिश किया।

इसके बाद अयासे उएदा ने 30वें मिनट में शानदार लो-ड्राइव शॉट के जरिए जापान की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम तक जापानी टीम पूरी तरह मुकाबले पर हावी रही।

दूसरे हाफ में भी जापान का दबदबा जारी रहा। जुन्या इतो ने 69वें मिनट में बेहतरीन गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद 83वें मिनट में उएदा ने हेडर के जरिए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दागकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी।

इस जीत के बाद जापान ग्रुप ए में नीदरलैंड्स के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि लगातार दूसरी हार झेलने के बाद ट्यूनीशिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

अभय-वेलवन की पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत, भारत ने लगातार तीसरी बार जीता स्क्वाश का खिताब

नई दिल्ली । भारत के अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने मलेशिया के सारावाक में आयोजित एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया । भारतीय जोड़ी ने पुरुष युगल का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम कर महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा कायम रखा ।

पाकिस्तान के खिलाफ शानदार वापसी- फाइनल मुकाबले में भारत की जोड़ी ने एक गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की । अभय और वेलवन ने पाकिस्तान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी नासिर इकबाल और नूर जमां को 47 मिनट में 7-11, 11-7, 11-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया । पिछले साल भी भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इसी पाकिस्तानी जोड़ी को मात दी थी ।

भारत की झोली में आए तीन पदक- पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने दो कांस्य पदक भी हासिल किए । अनुभवी खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और रथीका सीलन की महिला युगल जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। वहीं, मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया । भारत की दूसरी महिला युगल जोड़ी जेनेट विधि और पूजा आरती छठे स्थान पर रही ।

शुभमन ने यशस्वी को बेहतरीन बल्लेबाज बनाया

-टीम में कई बार जगह नहीं मिलने का भी कारण बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर टीम की जीत में हम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने इस मैच में 110 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम ने इस मैच में टीम ने 9 विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। मैच में यशस्वी ने अपने एकदिवसीय करियर का दूसरा शतक जड़ा। यह उपलब्धि उन्होंने केवल छठी पारी में हासिल की

जीत के बाद, शुभमन ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण कई बार यशस्वी को बाहर बैठना पड़ा है पर इसका मतलब प्रदर्शन से नहीं है। शुभमन ने यशस्वी को एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी करार दिया। साथ ही माना है कि टीम में जगह को लेकर होने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण कभी-कभी उन्हें बाहर बैठना पड़ता है। गिल ने कहा, हम सभी भली-भांति जानते हैं कि वह एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर बैठना आसान नहीं होता। सच तो यह है कि अगर टीम के सभी मुख्य खिलाड़ी उपलब्ध हों, तो यशस्वी वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन जाते हैं जिन्हें कभी-कभी अंतिम ग्यार से बाहर बैठना पड़ता है। कप्तान ने इस बात पर खुशी जताई कि जायसवाल ने इस श्रृंखला में मिले मौकों को बखूबी भुनाया और भविष्य में भी इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

टीम के संयोजन को मजबूत करने के लिए शुभमन ने सीरीज के आखिरी दो मैचों में हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गिल ने ऐसा इसलिए किया ताकि यशस्वी नियमित कप्तान रोहित के साथ पारी की शुरुआत कर सकें। कप्तान का यह प्रयोग बेहद सफल रहा, जहां रोहित ने भी 79 रनों की एक परिपक्व पारी खेलते हुए यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 170 रनों की विशाल साझेदारी की।

इंग्लैंड के क्रिकेटर बेथल भारतीय लड़की से प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में आये

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथल आजकल खेल की जगह पर एक भारतीय लड़की के साथ अपनी कथित प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं । सोशल मीडिया पर इस लड़की के साथ उनकी एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है । इसमें वह इस लड़की के साथ बेहद दिख रहे हैं । यह तस्वीर इसी साल अप्रैल में हुए आईपीएल के 19 वे सत्र की है। इसमें बेथल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे थे । इस तस्वीर को देखकर प्रशंसक हैरान और जानना चाहते हैं कि ये कौन है । इस तस्वीर में बेथल के साथ दिख रही खूबसूरत लड़की का नाम अंकिता पटेल है। अंकिता एक जानी-मानी सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं, उसने बॉलीवुड के कई बड़े सितारों के साथ काम किया है । यह तस्वीर स्वंय अंकिता के सोशल मीडिया अकाउंट से ही शेयर की गई थी, जिसने सोशल मीडिया पर प्रशंसक हैरान हैं । वहीं अंकिता ने अब तक इस क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है पर इस तस्वीर से लगता है कि कि दोनो एकदूसरे के बेहद करीब हैं । के बीच नजदीकियों की कहानी बयां कर रही है । प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साहित हैं। गौरतलब है कि जैकब बेथल का आईपीएल 2026 में रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए उन्हें कुल 7 मैचों में मौका मिला, लेकिन वह सिर्फ 96 रन ही बना पाए । इस दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें सत्र के बीच में ही स्वेदश लौटना पड़ा था । अभी वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड टीम के दल में शामिल हैं । बेथल ने इंग्लैंड के लिए 7 टेस्ट, 21 एकदिवसीय और 31 टी20 खेले हैं । टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम अबतक 496 रन जबकि एकदिवसीय में 603 रन हैं । टी20 में बेथल ने 697 रन बनाये हैं ।

फीफा विश्व कप 2026 में गुलाबी जूतों का छाया जादू, दुनिया के स्टार फुटबॉलरों की बनी पहली पसंद

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 में जहां दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी अपने शानदार खेल से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं इस बार एक नया ट्रेंड भी चर्चा का केंद्र बन गया है। टूर्नामेंट में गुलाबी रंग के फुटबॉल जूते खिलाड़ियों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं और मैदान पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेले जा रहे विश्व कप में कई स्टार खिलाड़ी गुलाबी रंग के जूते पहनकर मैदान में उतर रहे हैं। अमेरिका के जियो रेना, ब्राजील के विनीसियस जूनियर, फ्रांस के कप्तान किलियान एमबाप्पे और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन जैसे बड़े नाम इसी रंग के जूतों में नजर आए।

जियो रेना ने विश्व कप के शुरुआती मैच में अमेरिका के लिए यादगार गोल दागा, जबकि विनीसियस जूनियर ने ब्राजील के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। वहीं एमबाप्पे ने दो गोल कर फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हैरी केन ने भी दो गोल दागकर इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की। इन सभी खिलाड़ियों में एक समानता रही—सभी ने गुलाबी रंग के जूते पहने थे।

मैदान की हरी घास पर गुलाबी जूते दूर से ही अलग दिखाई देते हैं। यही वजह है कि कई बड़ी स्पोर्ट्स कंपनियों ने इस विश्व कप से पहले इनका विशेष डिजाइन तैयार किया। नाइकी के ग्लोबल फुटवियर निदेशक ओडिंगा निमाको के अनुसार खिलाड़ी गुलाबी रंग को आत्मविश्वास, ऊर्जा और अलग पहचान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। दर्शकों के बीच भी यह रंग तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि 1998 विश्व कप में पहली बार रंगीन फुटबॉल जूतों ने लोगों का ध्यान खींचा था। उससे पहले काले और सफेद रंग के जूतों का ही अधिक इस्तेमाल होता था। अब समय बदल चुका है और नाइकी, एडीडास, प्यूमा, स्केचर्स और न्यू बैलेंस जैसी दिग्गज कंपनियां भी गुलाबी रंग के जूते बाजार में उतार चुकी हैं।

ऐसे में फीफा विश्व कप 2026 में शानदार गोलों के साथ-साथ गुलाबी जूतों का यह नया ट्रेंड भी दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

15 दिन बाद आगे बढ़ा मानसून

● छत्तीसगढ़ में एंट्री: राजस्थान में ओले गिरे

एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट, तमिलनाडु में बवंडर

एजेंसी
भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा। तमिलनाडु के थूथूकोडी में बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन द्रूस्ब्र ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में लू चल सकती है।

मानसून अटकने के कारण क्या हुआ

- **बुआई प्रभावित:** 12 जून तक कुल खरीफ बुआई सालाना आधार पर 3.9फीसदी घटकर 84.6 लाख हेक्टेयर रही।
- **फसलों पर असर:** दालों का रकबा 43.2फीसदी और कपास का 28फीसदी घटा। हालांकि, धान की बुआई में 28.4फीसदी की बढ़त दर्ज हुई।
- **राहत की बात:** जलाशयों का जलस्तर, क्षमता का 28.3फीसदी है, जो 10 साल के औसत से 16फीसदी अधिक है (सिंचाई के लिए बफर)।
- **जोखिम:** जुलाई-अगस्त की बारिश पर रिकवरी निर्भर करेगी। कमी रहने पर खाद्य महंगाई और ग्रामीण आय पर दबाव बढ़ सकता है।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

23 जून: असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मानसून के कारण ओडिशा, केरलम, कर्नाटक, तेलंगाना, कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारश होगी।
उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र के विदर्भ में हीटवेव रहेगी, विदर्भ के 8 जिलों में रातें भी गर्म होंगी।
राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में प्री-मानसून एक्टिव रहने से आंधी-बारिश हो सकती है।
24 जून: असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।
मानसून के कारण सिक्किम, कोंकण-गोवा, तेलंगाना और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश होगी। आंध्र प्रदेश, मराठवाड़ा, झारखंड, ओडिशा में भी तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।
मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश और विदर्भ में लगातार तीसरे दिन हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है।

ठाणे में 251 किमी की रफ्तार से बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई

इंजन 30 मीटर दूर गिरा, पार्टी से लौट रहे 2 की मौत, एक घायल

एजेंसी
ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे में बदलापुर के पास मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार डिवाइडर से टकरा गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा युवक घायल हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के कई टुकड़े हो गए। कार का इंजन हादसे वाली जगह से करीब 30 मीटर दूर जा गिरा। वहां शव भी रोड पर बिखर गए।

मृतकों की पहचान योगेश नेगी (26) और रेबेका जैकब (24) के रूप में हुई है। दोनों बांद्रा में रहते थे। घायल अंगद का कल्याण के फोर्टिस अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीएमडब्ल्यू उसी की थी।

पुलिस मृतकों की सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है। इसमें दुर्घटना से कुछ देर पहले कार को 251kmph तक की रफ्तार से चलाते हुए रिकॉर्डिंग की गई थी।

पुलिस को शक है कि लापरवाही से गाड़ी चलाने और स्टंट करने के कारण यह हादसा हुआ।

टक्कर के कारण कार उछली, डिवाइडर के दो हिस्सों के बीच जाकर रुकी

पुलिस के मुताबिक, मृतक योगेश नेगी का जन्मदिन था। शनिवार शाम को अंगद, रेबेका और योगेश ने बदलापुर (पश्चिम) में बर्थडे सेलिब्रेट किया। फिर एक्सप्रेस वे की ओर कार लेकर निकल पड़े।

पुलिस को 9,000 रुपए का एक बिल मिला है। एक्सप्रेस वे पर गाड़ियों की आवाजाही रोकने के लिए कई जगहों पर कॉन्क्रीट बैरिकेड लगाए गए हैं।

पुलिस को शक है कि तेज रफ्तार में गाड़ी चलाते समय अंगद ने शायद बैरिकेड से बचने की कोशिश की और कार से कंट्रोल खो दिया और बीच वाले डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के कारण कार उछल गई और डिवाइडर के बीच गैप में जाकर रुकी।

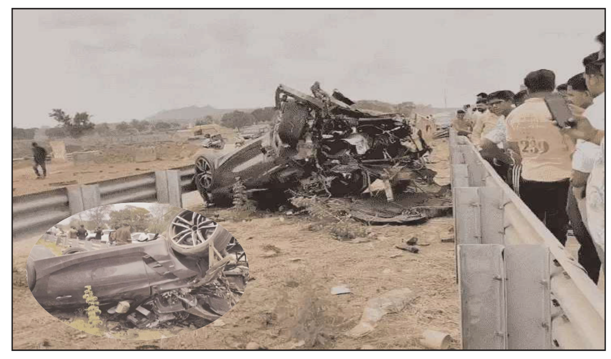

पश्चिम बंगाल बजट

1 लाख सरकारी नौकरियों, 20 फीसदी डीए बढ़ोतरी और नए एयरपोर्ट-डीप सी पोर्ट की घोषणा

एजेंसी
कोलकाता । पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पश्चिम बंगाल में सामाजिक कल्याण और उद्योग-आधारित बुनियादी ढांचे के विकास पर दोहरे फोकस की रूपरेखा तैयार की गई। आजादी के बाद राज्य में पहली भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करते हुए दासगुप्ता ने कहा कि सभी मौजूदा कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए अधिक सख्त लक्षित व्यवस्था अपनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार को 8.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक का संचित कर्ज विरासत में मिला है। बेरोजगारी से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने घोषणा की, 'मैं विभिन्न सरकारी विभागों में एक लाख खाली पदों को भरने का प्रस्ताव करता हूं और नए पदों में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। इनमें से 1,00,000 पदों में 20,000 पुलिस विभाग के लिए, 50,000 राज्य संचालित स्कूलों में शिक्षकों के लिए और शेष 30,000 अन्य विभागों के लिए होंगे। जहां आवश्यक होगा, वहां अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण होगा।

' विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को 70 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए दासगुप्ता ने महंगाई भत्ते में 20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इसे 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत किया जाएगा, जो 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। सिविक वॉलंटियर्स के मानदेय में भी 2,000 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी की जाएगी।

दासगुप्ता ने कहा-

'नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए कल्याणी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाना जरूरी है। नया एयरपोर्ट 1,500 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा और राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट के लिए सही जमीन की पहचान करेगी। पूर्वी मिदनापुर के दादानपात्राबार में डीप-सी पोर्ट पीपीपी मॉडल के तहत बनाया जाएगा।'

हिम्मत है तो बागी सांसद इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव का सामना करें : आदित्य ठाकरे

राजनीतिक विरोधियों में विपक्ष से डर का माहौल दिखाई दे रहा है।

एजेंसी
मुंबई । महाराष्ट्र की राजनीति में कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक आदित्य ठाकरे, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बागी सांसदों और दलबदल की राजनीति पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान का मुद्दा उठाया है। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक व पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने उन सांसदों पर निशाना साधा, जिन्होंने कथित तौर पर पार्टी छोड़कर दूसरी राजनीतिक राह चुनी है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिन सांसदों ने पाला बदला है, उन्हें अपने पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच दोबारा जाना चाहिए। आदित्य ठाकरे ने चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन और नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहते हैं, तो जनता का सामना करें। उनका दावा था कि उनकी पार्टी ने लोगों का विश्वास और दिल जीता है तथा जनता चुनाव के जरिए अपनी राय स्पष्ट कर देगी। आदित्य ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों में विपक्ष से डर का माहौल दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पहले सांसदों को साथ ले जाने की कोशिश की जा रही है और आगे चलकर विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

जयपुर में जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल गिरफ्तार

एजेंसी
जयपुर। राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने राजधानी जयपुर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से कथित रूप से जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया है। यह महिला पिछले कई महीनों से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में थी। वह सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों और कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में थी। मिलिट्री इंटेलिजेंस से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एटीएस ने बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा (37) को जयपुर के वाटिका क्षेत्र से हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया।

छिंदवाड़ा में बैतूल हाईवे पर पिकअप और ट्रक में टक्कर

पांच की मौत, 20 घायल

एजेंसी
छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की ट्रक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना तेज था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान 5 लोगों की मौत की बात सामने आ रही है, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी और जिला अस्पताल भेजा गया है। सिविल सर्जन सुशील दुबे ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि अभी तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मरने वालों में तीन महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं, पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। जैसे ही हम लोगों को हादसे की जानकारी हुई, हमारी टीम इलाज के लिए तुरंत पहुंची थी।

उन्होंने बताया कि सभी मजदूर मछेरा गांव के बताए जा रहे हैं। ये लोग कहां जा रहे थे और हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है, साथ ही घालयों से भी पूछताछ की जाएगी, जिससे मामले की सही जानकारी मिल सके। सिविल सर्जन सुशील दुबे ने बताया कि इसमें से एक मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसको नागपुर रेफर किया जाएगा। घालयों और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जिससे ही उनके परिजन आ जाएंगे आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद है।

कृषि अर्थशास्त्री एसएस जौहल से मिले नितिन नवीन

फसल विविधीकरण पर हुई चर्चा

एजेंसी
लुधियाना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब दौर के आखिरी दिन सोमवार को लुधियाना में प्रसिद्ध कृषि अर्थशास्त्री और पद्म भूषण अवॉर्डी डॉ. सरदारा सिंह जौहल से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान पंजाब की कृषि व्यवस्था, किसानों से जुड़े मुद्दों, फसल विविधीकरण और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। तीन दिवसीय पंजाब दौरे पर आए नितिन नवीन ने आज डॉ. सरदारा सिंह जौहल से मुलाकात कर कृषि क्षेत्र से जुड़े अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया। नितिन नवीन ने कहा कि डॉ. सरदारा सिंह जौहल देश के प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों में से एक हैं। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के चेयरमैन के रूप में उन्होंने देश की कृषि नीति को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने फसल विविधीकरण और कृषि सुधारों को लेकर भी अहम योगदान दिया है। बैठक के दौरान पंजाब में किसानों के सामने आ रही चुनौतियों, पारंपरिक खेती पर बढ़ते दबाव, फसल विविधीकरण की जरूरत और कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के मुद्दों पर चर्चा हुई। नितिन नबीन ने कहा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था में कृषि की अहम भूमिका है और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीति और दूरदर्शी सोच की जरूरत है। इस मुलाकात के दौरान पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश महासचिव अनिल सरीन भी मौजूद रहे।

लखनऊ की कोचिंग में आग

15 मौतें, इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स

एजेंसी
लखनऊ। अलीगंज स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से कोचिंग पढ़ने व एनीमेशन कोर्स करने वाले 15 बच्चों की जलकर मौत हो गई। कई बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जान बचाने के लिए चार-पांच बच्चे बिल्डिंग से कूदने से गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर वापस लौट आए और घटनास्थल का मुआयना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। उधर रक्षामंत्री एवं राजधानी के सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं।

घटनास्थल पहुंचे सीएम योगी, घायलों से मिले

सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द किये। राहत कार्यों का जायजा लिया और घायलों को बेहतर इलाज की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है।

अवैध बिल्डिंग, निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं

बल्डिंग से बाहर निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं था। तीनों तरफ अन्य इमारतें बनी हैं। स्पष्ट है कि बिल्डिंग अवैध है। यही वजह है कि आग लगने पर वहां फंसे लोगों को बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला। वहां फंसे पांच-छह लोग किसी तरह खिड़की का कांच तोड़कर बाहर निकले।

40 मिनट बाद पहुंची दमकल की टीम

आसपास के लोगों में घटना को लेकर काफी आक्रोश था। उनका कहना था कि हादसे के करीब 40 मिनट बाद दमकल की टीम पहुंची। तब तक आग पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले चुकी थी। जब आग पर काबू पाया गया, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। राजधानी में दमकल के इतनी देर से पहुंचने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

राष्ट्रपति और पीएम ने जताया शोक

लखनऊ में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतृप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं।- **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल जल्द से जल्द ठीक हों। बचाव कार्य चल रहा है और अधिकारी हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल :4 साल में दूसरी टूट

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पार्टी बदलने का ऐलान किया।

इस दौरान शिंदे ने कहा- जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने ङ्क पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। 6 सांसदों के शामिल होने के बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। वहीं उद्धव गुट में 9 में से सिर्फ 3 सांसद बचे हैं। 2022 के बाद शिवसेना में दूसरी बार टूट हुई।

उद्धव की बैठक में 4 विधायक नहीं पहुंचे

इससे पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (MLC) के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उद्धव गुट के 4 विधायक निजी कारणों से नहीं पहुंचे। पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 में 20 सीटें जीती थीं। उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने X पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे। 28 जून को परभणी और धाराशिव का दौरा करेंगे। 29 जून को शिर्डी पहुंचेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अपना नया विमान 'एयरफोर्स-1' दिखाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को नया एयरफोर्स वन विमान दिखाया। यह विमान पहले कतर सरकार के पास था। पिछले साल मई में कतर ने बोइंग 747 का यह आधुनिक मॉडल ट्रम्प को उपहार में दिया था। बाद में इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान के रूप में तैयार किया गया। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रयूज में ट्रम्प ने इस विमान को दुनिया का सबसे शानदार राष्ट्रपति विमान बताया। उन्होंने कहा, 'इस विमान को उड़ते हुए व्हाइट हाउस की तरह बनाया गया है। इतनी लग्जरी शायद दुनिया ने पहले कभी नहीं देखी होगी।' नए विमान का रंग-रूप मौजूदा एयर फोर्स वन से पूरी तरह अलग है। पुराने विमान के हल्के नीले रंग की जगह इसके निचले हिस्से को गहरे नेवी ब्लू रंग से रंगा गया है, जबकि उसके ऊपर लाल पट्टी बनाई गई है। विमान के उस हिस्से पर, जहां से राष्ट्रपति चढ़ते हैं, राष्ट्रपति की आधिकारिक मुहर लगाई गई है। वहीं पिछले हिस्से पर अमेरिकी झंडा बनाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि जब यह प्लेन लंदन, जर्मनी या दुनिया के किसी अन्य एयरपोर्ट पर उतरेगा तो कोई भी इसकी बराबरी नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारे देश का प्रतिनिधित्व इसी तरह होना चाहिए। रंग और डिजाइन मेरी पसंद के हैं, यह मैं मानता हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि नया एयर फोर्स वन अगले महीने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान फ्लाईपास्ट करेगा।

अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दो... इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का ट्रंप पर तीखा पलटवार

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को ट्रंप ने फोटो लेने वाले दावे को फिर से दोहराया। ट्रंप के दावे पर मेलोनी भी शांत नहीं बैठी, पलटवार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर फिर से पोस्ट किया और लिखा कि फ्रांस में त्न-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए कहा। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है। मेलोनी ने अपने पोस्ट में ट्रंप पर पलटवार करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप, ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले बेमतलब हैं। जहां तक मेरी लोकप्रियता की बात है, तो आपका दोस्त होने से इसमें कोई मदद नहीं मिली है और न ही यह आपके साथ मेरे रिश्तों पर निर्भर करती है। मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है। इटली में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के मामले में भी मैंने यही किया। उनके इस्तेमाल से जुड़े समझौतों का हमने हमेशा सम्मान किया है, और जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, उनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें। फ्रांस में जी-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ तस्वीर खिंचवाने की गुजारिश की। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है, शायद इसलिए क्योंकि जब ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने या बनाने से रोकने की बात आई, तो उन्होंने अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने हमें इटली के लैंडिंग स्ट्रिप्स या रनवे का इस्तेमाल भी नहीं करने दिया, जिससे बहुत बड़ी लॉजिस्टिकल दिक्कत हुई। ट्रंप ने आगे लिखा, यह तब हुआ जब अमेरिका इटली और दूसरे तथाकथित ह्वअह्व सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करता है। अब जब अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है, तो वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए फिर से दोस्ती करना चाहती हैं।

जासूसी में फ्रांस ने बंद किए चीन के नौ गुप्त केंद्र, दो लोग निष्कासित

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने देश में संचालित चीन के नौ गुप्त केंद्रों को बंद कर दिया है। फ्रांसीसी अधिकारियों का आरोप है कि ये केंद्र सांस्कृतिक, सामुदायिक और व्यावसायिक संगठनों की आड़ में काम कर रहे थे और चीन सरकार के आलोचकों तथा प्रवासी चीनी नागरिकों पर नजर रखने का काम करते थे। मामले में तीन लोगों की पहचान की गई है, जिन पर इस नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। इनमें से दो को फ्रांस से निष्कासित कर दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की खुफिया एजेंसियों ने जांच के बाद इन केंद्रों का पता लगाया। इनमें से अधिकांश पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में संचालित हो रहे थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि ये केंद्र चीन की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के अनौपचारिक विस्तार के रूप में काम कर रहे थे। जांच तब तेज हुई जब वर्ष 2024 में चीन के एक असंतुष्ट नागरिक लिंग हुआझान को जबरन चीन भेजने की कोशिश की गई। फ्रांसीसी पुलिस ने इस प्रयास को विफल कर दिया था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दे सकते हैं इस्तीफा, क्यों आई नौबत, कौन बनेगा अगला प्रधानमंत्री?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में जारी गहरे राजनीतिक गतिरोध के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की संभावना है। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में वरिष्ठ लेबर पार्टी के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। हालांकि, सरकारी सूत्रों का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी भी सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों पर केंद्रित है।

आपको बता दें कि पिछले कई महीनों से प्रधानमंत्री स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी के भीतर ही असंतोष पनप रहा था, जो शुक्रवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव में संसद की सीट जीत ली। इस जीत के बाद बर्नहैम के लिए स्टार्मर के खिलाफ औपचारिक रूप से नेतृत्व की चुनौती पेश करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री स्टार्मर इस समय अपने आधिकारिक ग्रामीण निवास चेकर्स में हैं और कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले अपनी पत्नी के साथ इस विषय पर गहन चर्चा कर रहे हैं। लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को उम्मीद है कि सोमवार तक उनके भविष्य को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, चंदा देने वाले दानदाताओं और ट्रेड यूनियन के नेताओं से बातचीत के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के लिए उनकी स्थिति अब व्यावहारिक नहीं रह गई है। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को स्टार्मर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वे अपनी लीडरशिप के खिलाफ किसी भी चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने लेबर पार्टी से गुटबाजी और आपसी कलह में न उलझने की अपील भी की थी। रिकॉर्ड गिरावट पर पहुंची कीर स्टार्मर की लोकप्रियता साल 2024 के आम चुनाव में वाम-झुकाव वाली लेबर पार्टी को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले कीर स्टार्मर बहुत कम समय में बेहद अलोकप्रिय हो चुके हैं। सरकार के कई घोटालों, विवादों और अपनी ही नीतियों से बार-बार पीछे हटने के कारण मतदाताओं में यह संदेश गया है कि स्टार्मर जनता के जीवन स्तर को सुधारने के अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

रॉयटर्स के आंकड़ों के मुताबिक, लेबर पार्टी के ही 100 से अधिक निर्वाचित सांसद सार्वजनिक रूप से स्टार्मर के इस्तीफे या उनके हटने का शेड्यूल तय करने की मांग कर चुके हैं। यदि स्टार्मर इस्तीफा देते हैं या उन्हें पद से हटाया जाता है तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में अपना सातवां प्रधानमंत्री मिलेगा। सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली और अवैध अप्रवासन जैसी समस्याओं से जूझ रहे ब्रिटिश इतिहास में यह पिछले दो सौ वर्षों में सबसे कम समय में सबसे अधिक प्रधानमंत्री बदलने का रिकॉर्ड होगा।

कतार में हैं एंडी बर्नहैम और वेस स्ट्रीटिंग : 56 वर्षीय एंडी बर्नहैम को लेबर पार्टी में स्टार्मर के सबसे मजबूत उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। उत्तरी इंग्लैंड में ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर के रूप में अपनी मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बर्नहैम ने शुक्रवार को मेकरफील्ड उपचुनाव में दक्षिणपंथी लोकलुभावन नेता नाइजेल फराज की 'रिफॉर्म यूके' पार्टी को करारी शिकस्त देकर संसद में वापसी की है।

बर्नहैम ने अभी तक सीधे स्टार्मर को चुनौती नहीं दी है, लेकिन अपने विजय भाषण में उन्होंने देश के लिए एक नए रास्ते का वादा किया है। उनके समर्थकों ने स्टार्मर से गरिमा के साथ खुद पद छोड़कर सत्ता सौंपने की अपील की है। 'द टाइम्स' अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि बर्नहैम देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे सबसे पहले वित्त मंत्री राहेल रीव्स को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि बर्नहैम के सलाहकारों का मानना है कि रीव्स की नीतियां देश में जरूरी बदलाव लाने के अनुकूल नहीं हैं।

ईरान ने फिर होर्मुज स्ट्रेट बंद किया, लेबनान में इजराइली हमलों के जवाब में उठाया कदम

दुबई, एजेंसी। लेबनान में इजराइल के लगातार हमलों से ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर ग्रहण लग सकता है. इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया है. ईरानी सेना ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की 'बदनीयती' और युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन के कारण उठाया गया है. ईरानी सेना ने सरकारी टेलीविजन पर दिए गए बयान में चेतावनी भी दी, 'अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है.' ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शनिवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और जहाजों को जलडमरूमध्य के पास न जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है. एक बयान में, ह्वत्रष्ट नेवी ने लेबनान में इजराइल के हमले और अमेरिका द्वारा युद्धविराम के अपने वादे तोड़ने को इस अहम जलमार्ग को बंद करने का कारण बताया. गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाजों और तेल टैंकरों ने महत्वपूर्ण चोक पॉइंट होर्मुज से गुजरना शुरू कर दिया था. इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं.

बांग्लादेश में हिंदुओं का विरोध प्रदर्शन: ढाका में गूंजे 'जय श्री राम' के नारे, सड़कों पर उतरे लोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। राजधानी ढाका में शुक्रवार को हजारों हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान और एक प्रस्तावित विशाल राम मूर्ति परियोजना को रोके जाने के विरोध में प्रदर्शन किया।

ढाका में निकाला गया मशाल जुलूस : हिंदू संगठनों के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ढाका के शाहबाग क्षेत्र में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकाला और विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च करते हुए पहुंचे, जहां मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया गया।

क्या है विवाद का कारण : प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा क्षेत्र में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया था। उनका कहना है कि मामले में शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे समुदाय में नाराजगी बढ़ी है।

राम मूर्ति परियोजना क्यों चर्चा में है : उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में एक मंदिर परिसर में 81 फीट ऊंची भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण प्रस्तावित था। परियोजना से जुड़े लोगों का दावा है कि विरोध और कथित धमकियों के कारण निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस परियोजना में भगवान कृष्ण और भगवान शिव की बड़ी प्रतिमाएं भी प्रस्तावित बताई गई हैं। हिंदू संगठन ने सरकार से कथित अपमान मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और मूर्ति निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने की मांग की है। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक सौहार्द और विश्वास कायम रह सके।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज; क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला?

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम 'यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी' (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

2023 में जेलेंस्की को मिला था सम्मान : यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों की एक इकाई का नाम यूपीए के नाम पर रखा था। यूपीए 1940 और 1950 के दशक में सक्रिय संगठन था, जिस पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

'यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम' : राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति 'अमित्र व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए करेगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की 'रणनीतिक गलती' बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है।

शहीद बच्चों की कसम लेकर अमेरिका से बातचीत करने पहुंचे गालिबाफ; स्विट्जरलैंड में होगी पहली बैठक

ज्यूरिख, एजेंसी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाली तकनीकी वार्ता से पहले मिनाब स्कूल घटना के पीड़ितों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानी वॉशिंगटन के साथ होने वाली बातचीत के दौरान इस्लामी गणराज्य ईरान के कदमों का मार्गदर्शन करेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में शत्रुता समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की जा रही है।

'मिनाब के शहीद बच्चों की याद के साथ वार्ता में पहुंचे गालिबाफ' : एक्स पर किए गए एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि वह और ईरानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता की तैयारी करते समय मिनाब के बच्चों और अन्य ईरानी शहीदों की स्मृतियों को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं मिनाब के निर्दोष बच्चों और प्रिय ईरान के सभी शहीदों को अपना हर कार्य और व्यवहार हर पल देखते हुए महसूस करता हूं। वे हमें देख रहे हैं और हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। ईश्वर न करे कि मैं कभी निर्दोष शहीदों और ईरान की जनता को शर्मिंदा करूं। उन्होंने पोस्ट में 'मिनाब168' हैशटैग का उपयोग किया और संदेश को मिनाब स्कूल के बच्चों की स्मृति को समर्पित किया। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब ईरान का प्रतिनिधिमंडल समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका के साथ पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड पहुंचा है। 'समझौते के बाद पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख पहुंचा प्रतिनिधिमंडल' ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबाफ कर रहे हैं। इसमें विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिवालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपप्रमुख अली बाघेरी, केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती, उप तेल मंत्री और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के अध्यक्ष हमीद बोर्डे, उप विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी तथा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई समेत कई अधिकारी शामिल हैं।

अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लागू करने की समीक्षा पर रहेगा फोकस' प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अमेरिका द्वारा कूटनीतिक समझ के तहत किए गए वादों को लागू करने की समीक्षा और अनुवर्ती कार्रवाई के उद्देश्य से की जा रही है। वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि प्रस्थान से पहले वार्ता का मुख्य फोकस पहले से तय प्रतिबद्धताओं के पालन को सुनिश्चित करना होगा। ढ्डत्र्ध्ढ्ढ के अनुसार, बघाई ने कहा, 'हर समझौते और सहमति की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके क्रियान्वयन का समय आता है। वादाखिलाफी के पुराने अनुभवों से सतर्क है ईरान' उन्होंने आगे कहा कि ईरान दूसरी तरफ से होने वाले अनुपालन पर कड़ी नजर रखेगा और अतीत में वादे पूरे न होने के अनुभवों को ध्यान में रखेगा। इस्माइल बघाई ने कहा, 'दूसरे पक्ष द्वारा वादाखिलाफी के हमारे अनुभव को देखते हुए, हमें उनकी प्रतिबद्धताओं की पूर्ति को गंभीरता से आगे बढ़ाना होगा।' 'स्विट्जरलैंड ने वार्ता प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत' प्रतिनिधिमंडल के स्विट्जरलैंड पहुंचने के बाद वहां के विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान, फिर चीन का सफर; भारत ने भी दिया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान अपनी विदेश नीति को चुनते हुए दिख रहे हैं। आम तौर पर बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद पर निर्वाचित होने वाला व्यक्ति पहली विदेश यात्रा के लिए भारत या चीन का दौरा करता है। लेकिन महीनों से इस पहेली का हल खोज रहे तारिक रहमान ने अपना रास्ता चुन लिया है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे। फिर वहाँ से वह चार दिवसीय चीन दौरे पर जाएंगे। यहां वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात करेंगे। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री तारिक रहमान रविवार को मलेशिया के लिए रवाना होंगे। यहाँ दो दिन तक उनके कार्यक्रम चलेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच में व्यापार, निवेश, एनर्जी सेमीकंडक्टर को लेकर चर्चा तेज होगी। दो दिवसीय दौरे को पूरा करने के बाद रहमान चार दिवसीय चीन यात्रा पर जाएंगे। यहां पर वह विश्व आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से बातचीत करेंगे।

तीस्ता नदी के प्रोजेक्ट पर हो सकता है फैसला : प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा को लेकर बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय की तरफ से भी जानकारी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के सचिव असद आलम सियाम के मुताबिक चीन और बांग्लादेश के बीच इस यात्रा के दौरान 17 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद हैं। इसमें तीस्ता नदी के मैनेजमेंट, ड्रेजिंग सिस्टम और तटबंध को लेकर भी चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह को भी विकसित करने पर बात होगी। बता दें, शेख हसीना के समय तीस्ता नदी के मैनेजमेंट के लिए भारत सरकार और तत्कालीन बांग्लादेश सरकार में एक सहमति बन गई थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह डील भी ठंडे बस्ते में चली गई। चूंकि तीस्ता नदी परियोजना भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक है। ऐसे में भारत की भी इस पर नजर रहती है। अब अगर चीन इसके करीब आता है, तो यह भारत के लिए परेशानी की बात होगी।

भारत ने दिया था न्योता, लेकिन बांग्लादेश की 'न' : शेख हसीना से मजबूत संबंधों और भारत में उनकी मौजूदगी से दोनों देशों के बीच में संबंध तनाव पूर्ण हैं। हालांकि, जब आम चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी जीतकर आई तो प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक पहल करते हुए सबसे पहले तारिक रहमान को बधाई दी। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी भेजा गया। यहां पर रहमान को भारत आने का न्योता भी दिया गया। लेकिन रहमान ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत के पड़ोसी देशों में आम तौर पर यह प्रवृत्ति पाई जाती है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई भी व्यक्ति पहले भारत या चीन की यात्रा करता है।

बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान, यूनिसॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिसॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा।

16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया। ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की निंदा : बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हुडा जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबो बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है।

क्यूबा पर हमले की चर्चा तेज, ट्रंप बोले- वहां की प्रॉपर्टी है शानदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपने बयानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई और बड़ी बहस छेड़ दी है। एक्सियोस को दिए एक खास इंटरव्यू में ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बहुत ही सख्त और कड़े सैन्य कदम उठाने के स्पष्ट संकेत पूरी दुनिया को दिए हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला की तरह ही कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया कि यह बिल्कुल संभव है। उनके इस 'संभव है' वाले एक छोटे से बयान ने ही विश्व भर के बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों और कूटनीतिक हलकों में भारी खलबली मचाने का काम कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस अहम इंटरव्यू में वेनेजुएला और क्यूबा के बीच के एक बहुत ही बड़े और मुख्य अंतर को भी सभी के सामने स्पष्ट किया है। ट्रंप के मुताबिक वेनेजुएला के पास तेल का विशाल भंडार मौजूद है, जबकि क्यूबा के पास प्राकृतिक तेल का कोई भी बड़ा भंडार बिल्कुल नहीं है। ट्रंप ने विशेष रूप से यह भी जोर देकर कहा कि क्यूबा के पास बहुत ही खूबसूरत समुद्री तट और बेहतरीन प्रॉपर्टी हैं जो उसे खास बनाते हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में उनके इस संपत्ति वाले विवादित बयान को लेकर काफी लंबी और तीखी बहस भी अब पूरी तरह से शुरू हो चुकी है।

क्यूबा अमेरिका के बिल्कुल पड़ोस में : ट्रंप ने आगे अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि क्यूबा भौगोलिक दृष्टि से अमेरिका के बहुत ही करीब स्थित है जबकि ईरान काफी दूर है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के नजदीक है और क्यूबा तो हमारे बिल्कुल पड़ोस में ही बसा हुआ एक बहुत अहम देश है। उनके इस नजदीकी वाले बयान को कई रक्षा विश्लेषक भविष्य में किसी संभावित बड़ी सैन्य कार्रवाई की ओर एक सीधा और बहुत स्पष्ट इशारा मान रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन और क्यूबा में बढ़ा तनाव : हाल के कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन और हवाना सरकार के बीच कूटनीतिक तनाव लगातार अपने चरम पर पहुंचता हुआ साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। कई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने क्यूबा की गंभीर स्थिति को लेकर कुछ सख्त सैन्य विकल्पों पर भी बहुत गहराई से विचार किया है। हालांकि कुछ वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि फिलहाल क्यूबा पर किसी भी तत्काल सैन्य हमले की कोई ठोस योजना तैयार नहीं है।

मार्को रुबियो निभाएंगे अहम भूमिका : इस अहम इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी विशेष रूप से और बहुत ही प्रमुखता के साथ जिक्र किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रुबियो आने वाले समय में क्यूबा के इस पूरे संवेदनशील मामले में एक बहुत ही सक्रिय और अहम भूमिका निभाएंगे। ट्रंप ने यह बड़ा दावा भी किया है कि क्यूबा खुद आगे बढ़कर अमेरिका के साथ इस गंभीर मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करना चाहता है।

क्यूबा सरकार का अमेरिका पर आरोप : ट्रंप प्रशासन पहले से ही क्यूबा पर अपना सख्त रुख अपनाता रहा है और हाल ही में हवाना सरकार पर कई कड़े प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। दूसरी ओर क्यूबा की सरकार लगातार यह गंभीर आरोप लगाती रही है कि अमेरिका आर्थिक दबाव डालकर उनके आंतरिक मामलों में भारी दखलंदाजी करना चाहता है। ट्रंप ने हालांकि किसी बड़ी कार्रवाई की कोई समयसीमा नहीं बताई है लेकिन उनके बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि सारे विकल्प खुले हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com